दैनिक
# बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर ...8
सिद्धार्थनगर
शुक्रवार, 22 मई 2026
वर्षः 13 अंकः 153 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

## यूपी में हीटवेब का कहर, योगी सरकार एक्शन मोड में, जनता को राहत देने के कड़े निर्देश जारी

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी कर राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में सतर्क रहने को कहा। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार, जिला मजिस्ट्रेट, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग और राहत एजेंसियों को उच्च सतर्कता बरतनी होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश में कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को अस्पतालों, पेयजल आपूर्ति और बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है और सरकारी अस्पतालों में लू लगने से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देशों में जनता से लू से बचाव के लिए सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने आदेश में कहा कि



बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें, सूती या खादी के ढीले-ढाले कपड़े पहनें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी ऐसी लापरवाही भरी हरकत में शामिल न हों जिससे आग लगने का खतरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को कर्मचारियों को थकान, निर्जलीकरण और लू से बचाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर लू चलने की आशंका है। राज्य भर में भीषण गर्मी के बीच बांदा में तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे यह देश का सबसे गर्म स्थान बन गया। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, रविवार दोपहर को राज्य के कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। झांसी में 44.6 डिग्री सेल्सियस, प्रयागराज में 44.5 डिग्री सेल्सियस, हमीरपुर में 44.2 डिग्री, ओराई में 43.8 डिग्री, सुल्तानपुर में 43.3 डिग्री और वाराणसी (भुवन वर्ष) में 43.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि राज्य भर में मौसम शुष्क रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर लू चलने की प्रबल संभावना है।

## पुलवामा का मास्टरमाइंड हमजा बुरहान पाकिस्तन में ढेर

### अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से भूना

पुलवामा हमले से जुड़े एक वांछित आतंकवादी को गुरुवार को पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद इलाके में गोली मार दी गई। आतंकवादी की पहचान हमजा बुरहान के रूप में हुई है। अज्ञात बंदूकधारियों ने उस पर गोलियां चलाईं, जिससे उसे कई गोलियां लगीं। सूत्रों का दावा है कि हमले के दौरान उसने दम तोड़ दिया। यह गोलीबारी पाकिस्तान के अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित मुजफ्फराबाद में हुई। अधिकारियों ने अभी तक हमलावरों की पहचान या हत्या के मकसद के बारे में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हमजा बुरहान को पुलवामा हमले से जुड़े आतंकी अभियानों के प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता था। पुलवामा निवासी बुरहान, जिसका असली नाम अर्जुमंद गुलजार डार है, को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 2022 में आतंकवादी घोषित किया गया था।

जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक प्रमुख कार्यकर्ता बुरहान को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद के पास घने जंगलों में एक लक्षित हमले में मार दिया गया। स्थानीय निवासियों ने बुधवार देर रात कई गोलियों की आवाज सुनी, जिसके बाद उसका शव कई गोली के घावों के साथ बरामद किया गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली है।

## यूपी के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए नया फरमान जारी

# अब नहीं पहन पाएंगे अपनी मर्जी के कपड़े

लखनऊ। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अब ड्रेस कोड अनिवार्य किया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुशासन, समानता और सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए इस सत्र से ही इसे लागू करने की तैयारी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एक दिन पहले इसे लेकर निर्देश दिए थे।

अब उच्च शिक्षामंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने भी कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और कालेजों में ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। कोशिश होगी कि हर संस्थान में एक समान ड्रेस व्यवस्था हो, ताकि छात्र-छात्राओं के बीच समानता और अनुशासन की भावना मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि छात्र समुदाय एक समान वर्ग होता है, जहां किसी प्रकार का भेदभाव नहीं दिखना चाहिए। कई बार पहनावे के कारण आर्थिक और सामाजिक असमानता साफ दिखाई देती है। इससे कुछ विद्यार्थियों में हीन भावना पैदा होती है, जबकि कुछ में श्रेष्ठता का भाव आ जाता है। ड्रेस कोड लागू होने से ऐसी स्थितियों को कम करने में मदद मिलेगी और सभी छात्रों को समान माहौल मिल सकेगा। सरकार का मकसद केवल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना नहीं है, बल्कि शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक, अनुशासित और संस्कारित वातावरण तैयार करना भी है। ड्रेस कोड से छात्रों का ध्यान पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास पर अधिक केंद्रित रहेगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एकरूपता के साथ बेहतर शैक्षणिक संस्कृति विकसित होगी।

## आम आदमी ही है संविधान का असली हकदार, सीजेआई ने याद दिलाया हर नागरिक का सवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने गुरुवार को कहा कि संविधान सभी नागरिकों का है, यह केवल कुछ चुनिंदा लोगों का ही विशेषाधिकार नहीं है जोकि महंगे वकीलों और कानूनी प्रक्रियाओं का खर्च उठा सकते हैं। सीजेआई ने ये विचार वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह की आत्मकथा श द कांस्टिट्यूशन इज माई होमरू कंवर्सेशंस ऑन ए लाइफ इन लॉश के विमोचन समारोह के दौरान अपने भाषण में व्यक्त किए। हालांकि वह कार्यक्रम के मुख्यअतिथि थे लेकिन ब्रिक्स देशों के न्यायाधीशों की बैठक के कारण वह इसमें उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने एक वीडियो क्लिप भेजकर पुस्तक विमोचन के लिए अपनी गर्म शुभकामनाएं दीं। इसमें अपने संबोधन में उन्होंने कहा- श्संविधान वास्तव में हमारा साझा घर है। यह केवल न्यायाधीशों, वकीलों या राज्य के अधिकारियों की संपत्ति नहीं है। यह ग्रामीण, शहरी, गरीबों और हाशिए पर रहने वाले हर नागरिक का समान रूप से है जोकि और इसके वादों में विश्वास रखते हैं।

## पीएम मोदी को अर्थव्यवस्था पर नए ज्ञान की जरूरत, कांग्रेस का सरकार पर बड़ा हमला

कांग्रेस ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भले ही ज्ञान के बल पर चुनाव जीत रहे हों लेकिन आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्हें नए ज्ञान की आवश्यकता है। संचार प्रभारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर लोगों का नजरिया इतना नकारात्मक हो गया है कि मोदी सरकार के पेशेवर समर्थक भी अपनी चिंताओं को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के अनुमान तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विकास के अनुमान काफी कम हो गए हैं। जयराम रमेश ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगातार घट रहा है और आपूर्ति श्रृंखलाओं का इतना गंभीर कुप्रबंधन हुआ है कि प्रधानमंत्री ने अब उपभोक्ताओं से उपभोग कम करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इन चिंताओं में कुछ भी नया नहीं है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन्हें कुछ समय से उठा रही है, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सुस्त निवेश माहौल से संबंधित है। प्रधानमंत्री द्वारा इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को टॉफियां भेंट करने का जिक्र करते हुए रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री टॉफियां बांटने और जनता से धार्मिक अपील करने में व्यस्त हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के पैरों तले जमीन खिसक रही है। हमें आर्थिक नीति-निर्माण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है, लेकिन मोदी सरकार के पास हमेशा की तरह आत्म-प्रशंसा के सिवा कोई नया विचार नहीं है। कांग्रेस नेता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ज्ञानेश के माध्यम से चुनाव करा रहे हैं, लेकिन उन्हें अर्थव्यवस्था के लिए एक नए ज्ञान की तत्काल आवश्यकता है।

## अमित शाह पर टिप्पणी केस में अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत, कोलकाता एचसी ने पुलिस एक्शन पर लगाई रोक

तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को बड़ी राहत देते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल पुलिस को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ चुनावी रैलियों में कथित बयानों को लेकर तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बनर्जी को न्यायालय की अनुमति के बिना देश छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें जांच में पूर्ण सहयोग करना होगा। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि एफआईआर में उल्लिखित आरोपों की गहन जांच आवश्यक है और जांच जारी रखने की अनुमति दी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि जांच एजेंसी टीएमसी सांसद को पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, तो उसे कम से कम 48 घंटे पहले नोटिस देना होगा। न्यायमूर्ति सौगता भट्टाचार्य ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को जांच में सहयोग करने और जांच अधिकारी द्वारा भेजे गए नोटिस का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने उन्हें न्यायालय की अनुमति के बिना विदेश यात्रा न करने का भी निर्देश दिया। डायमंड हार्बर से सांसद ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले 27 अप्रैल को एक सार्वजनिक सभा में प्रतिद्वंद्वी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ अपनी

# तमिलनाडु में फिर राष्ट्रगान पर बवाल

### गर्वनर के कार्यक्रम में तमिल गीत के क्रम पर छिड़ा विवाद

चेन्नई। तमिलनाडु में गुरुवार को लोक भवन में नवनियुक्त मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राजकीय गीत श्तमिल थाई वाझथुश को बजाने के क्रम को लेकर एक बार फिर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विवाद का केंद्र बिंदु वंदे मातरम और राष्ट्रगान के बाद गाए जाने वाले मंगलाचरण गीत को लेकर है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम के नेताओं ने इस क्रम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य में सरकारी समारोहों की शुरुआत में पारंपरिक रूप से तमिल राष्ट्रगान श्थाई वाझथुश गाया जाता रहा है। इसी तरह का विवाद 10 मई को विजय के मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान भी सामने आया था, जब कथित तौर पर श्वंदे मातरमश और श्जन गण मनश के बाद तमिल राष्ट्रगान गाया गया था। सीपीआई के राज्य सचिव एम. वीरपांडियन ने कहा कि तमिलनाडु के राज्यपाल को तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देनी चाहिए और साथ ही तमिल जनता की भावनाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। वीरपांडियन ने पत्रकारों से कहा कि हम दोहराते हैं कि राज्यपाल को तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हम भारत के राष्ट्रगान का सम्मान करते हैं। लेकिन हम फिर से दोहराते हैं कि राज्यपाल को तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी राष्ट्रगान के खिलाफ नहीं है, बल्कि चाहती है कि सरकारी कार्यक्रमों में तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता दी जाए। वीरपांडियन ने राज्य सरकार पर लगे आरोपों से बचाव करते हुए कहा कि राज्य विधानसभा तमिल राष्ट्रगान को प्राथमिकता देती है, जो कि उचित है। उन्होंने कहा कि यह राज्यपाल और केंद्र सरकार का कार्यक्रम है और राज्यपाल से तमिल जनता की भावनाओं का सम्मान करने का आग्रह किया। सीपीआई(एम) के राज्य सचिव पी. शनमुगम ने कहा कि जब मुख्यमंत्री के समक्ष तमिल गीत श्थाई वाझथुश को अंत में गाए जाने का मुद्दा उठाया गया, तो उन्होंने क्रम निर्धारित करने वाले प्रशासनिक प्रोटोकॉल का स्पष्टीकरण दिया। वहीं दूसरी ओर, डीएमके प्रवक्ता कनिमोझी एनवीएन सोमू ने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम तमिल भाषा और पहचान के प्रति अनादर को दर्शाता है।




## बेंगलुरु में बड़ा हादसा टला: लैंडिंग के वक्त एयर इंडिया विमान का टेल स्ट्राइक, 179 यात्री बाल-बाल बचे

नई दिल्ली। 21 मई, गुरुवार को लैंडिंग के दौरान विमान के पिछले हिस्से में किसी तरह की टक्कर होने के बाद दिल्ली से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को रोक दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि विमान में सवार सभी लोग, जिनमें यात्री और चालक दल के सदस्य शामिल थे, सुरक्षित है और वे सामान्य रूप से विमान से उतर गए। विमान का पिछला हिस्सा अचानक रनवे से टकरा गया, जिससे कुछ पल के लिए यात्रियों की सांसें अटक गईं। इस विमान में 179 लोग सवार थे। एयर इंडिया ने बताया कि विमान संख्या ।प्2651 को विस्तृत जांच के लिए रोक दिया गया है। एयर इंडिया ने कहा कि संबंधित नियामक प्राधिकरणों के समन्वय से स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार घटना की जांच की जाएगी। विमान को रोके जाने के बाद, बेंगलुरु से दिल्ली जाने वाली वापसी उड़ान ।प्2652 रद्द कर दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि वह प्रभावित यात्रियों के लिए जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा कि बेंगलुरु में हमारी ग्राउंड टीमें सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही हैं। प्रवक्ता ने आगे कहा कि असुविधा के लिए एयर इंडिया खेद व्यक्त करती है। हमारे यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार, टेल स्ट्राइक तब होती है जब विमान का टेक-ऑफ, लैंडिंग या गो-अराउंड के दौरान विमान की स्थिति ऐसी होती है कि उसकी पूंछ रनवे के संपर्क में आ जाती है, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण खोना (स्ब) और रनवे से बाहर निकलना (त्म) जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इसमें आगे कहा गया है कि हालांकि आम तौर पर जानमाल के नुकसान का खतरा कम होता है, लेकिन इन घटनाओं से विमान को काफी नुकसान हो सकता है, मरम्मत की लागत बढ़ सकती है, विमान का डाउनटाइम बढ़ सकता है, रखरखाव-मरम्मत संगठन की क्षमता का उपयोग बढ़ सकता है और राजस्व का नुकसान हो सकता है।

## यह घटिया मानसिकता: राहुल गांधी पर भड़के शिवराज सिंह चौहान, पीएम मोदी का अपमान जनता माफ नहीं करेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी भाषा घटिया मानसिकता को दर्शाती है और जनता इसे माफ नहीं करेगी। हैदराबाद में बोलते हुए चौहान ने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है जिसे पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह घटिया मानसिकता का संकेत है। भारत के प्रधानमंत्री, जिन्हें पूरी दुनिया सम्मानित कर रही है और जिन्हें कई देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं, उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता हो सकती है, लेकिन ऐसी भाषा का प्रयोग कभी नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया उनके नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है और देश उनके साथ खड़ा है। इस बीच, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी को दिए गए उपहार को लेकर की गई आलोचना के लिए निशाना साधा। हैदराबाद में बोलते हुए, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने प्रधानमंत्री के इस कदम का बचाव करते हुए उपहारों के आदान-प्रदान को राजनयिक संबंधों में एक सामान्य प्रक्रिया बताया।

# घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग धड़ल्ले से जारी, प्रशासन बना मूकदर्शक

दैनिक बुद्ध का संदेश/ राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। होटलों, रेस्टोरेंटों और मिठाई की दुकानों पर खुलेआम घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे न केवल नियमों की अनदेखी हो रही है बल्कि सुरक्षा मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।जानकारी के अनुसार, कई दिनों तक इंतजार के बाद आम उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू सिलेंडरों का खुलेआम उपयोग देखने को मिल रहा है। शहर सहित जिले के कस्बों और चौराहों पर स्थित अधिकांश होटल, ढाबे, मिठाई की दुकानों और रेस्टोरेंटों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की जगह घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जा रहा है।बताया जा रहा है कि पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस उत्पादन प्रभावित होने के कारण घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति कम हो गई है। शासन के निर्देश पर गैस एजेंसियों द्वारा पहले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसके चलते कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसी का लाभ उठाकर कई व्यवसायी महंगे कमर्शियल सिलेंडर की बजाय सस्ते घरेलू सिलेंडरों का उपयोग कर रहे हैं।जिले में इंडेन, एचपी और भारत गैस की लगभग 55 एजेंसियों के माध्यम से करीब छह लाख घरेलू उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराई जाती है। एजेंसियों पर प्रतिदिन हजारों सिलेंडरों की आपूर्ति होती है, लेकिन मांग के मुकाबले आपूर्ति कम पड़ने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।विशेषज्ञों के अनुसार घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग नियम विरुद्ध है। इससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए तथा घरेलू गैस की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए।डुमरियागंज (हिन्दुस्तान संवाद)रू बढ़नीचाफा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10, श्गुरु बसिष्ठ नगरश् में चल रहे नाली निर्माण कार्य का बुधवार को नगर पंचायत अध्यक्ष (चेयरमैन) धर्मराज वर्मा ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चेयरमैन ने कार्य की गुणवत्ता को बारीकी से परखा और संबंधित ठेकेदार व अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने के सख्त निर्देश दिए।उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या खामी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कार्य मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया, तो जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई के लिए लिखित रूप से उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा जाएगा।चेयरमैन धर्मराज वर्मा ने बताया कि सोनबरसा में लगभग 10 मीटर की भूमि विवादित होने के कारण यह निर्माण कार्य पिछले करीब दो वर्षों से अधर में लटका हुआ था। इस गतिरोध को दूर करने के लिए राजस्व विभाग के सहयोग और स्थानीय लोगों की आपसी सहमति से मामले को सफलतापूर्वक हल कर लिया गया है, जिसके बाद अब निर्माण कार्य पुनः सुचारू रूप से शुरू करा दिया गया है।चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि नगर पंचायत क्षेत्र में हो रहे सभी विकास और निर्माण कार्यों की लगातार मॉनीटरिंग (निगरानी) की जा रही है ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता और उच्च मानक सुनिश्चित किए जा सकें। किसी भी स्तर पर कोताही क्षम्य नहीं होगी। इसके लिए उन्होंने अधिशासी अधिकारी (EO) को भी आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं।निरीक्षण के दौरान चेयरमैन के साथ मंटू पाण्डेय, आकाश, शैलेंद्र गुप्त, राहुल देव गौंड सहित कई स्थानीय नागरिक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पेट्रोल पंपों का किया निरीक्षण, "नो हेलमेट–नो यूल" पालन के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने थाना सिद्धार्थनगर क्षेत्रांतर्गत

भारत पेट्रोल पंप तथा इंडियन पेट्रोल पंप मधुकरपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेट्रोल पंप संचालकों को ईंधन वितरण व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को "नो हेलमेट–नो यूल" अभियान का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को कहा। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा मानकों के अनुपालन, परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा अग्निशमन उपकरणों की स्थिति का भी जायजा लिया, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि डिब्बों में पेट्रोल न दिया जाए तथा नियमानुसार ही ईंधन वितरण सुनिश्चित किया जाए।

# जनगणना में शिक्षकों का अपमान ? गुरुजी बनें गणना कर्मी, लेखपाल, सेक्रटरी और अमीन करेंगे निगरानी

## जनगणना ड्यूटी में शिक्षक –प्रधानाध्यापक बने गणनाकर्मी, लेखपाल –अमीन सेक्रटरी बने सुपरवाइजर।

कुशीनगर। देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम जनगणना में प्रशासनिक प्रक्रिया, कार्य को लेकर शिक्षको मे रोष व्याप्त है। बताया जाता है कि प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापकों और प्रधानाध्यापकों को जनगणना कर्मी बनाकर मैदान में उतार दिया गया है। जबकि उनसे कम वेतनमान और ग्रेड पर कार्यरत लेखपाल, अमीन व ग्राम सचिवों को सुपरवाइजर बना दिया गया है। इस व्यवस्था ने शिक्षा विभाग के भीतर भारी नाराजगी पैदा कर दी है। शिक्षक संगठनों का आरोप है कि यह न केवल शिक्षकों की प्रशासनिक गरिमा पर चोट है, बल्कि जन गणना की तय मानक प्रक्रिया और कार्य विभाजन की भी खुली अवहेलना है।

बताते चलें कि यह मजाक नही तो और क्या है जिस प्रधानाध्यापक के कंधों पर पूरे विद्यालय की जिम्मेदारी होती है। जिसे बच्चों का भविष्य संवारना होता है, अब वही जनगणना में "फील्ड कर्मी" बनकर घर–घर आंकड़े जुटाएगें, और उनकी निगरानी करेगें लेखपाल, अमीन या फिर ग्राम सचिव! शासन–प्रशासन के इस फैसले ने शिक्षको में न सिर्फ आक्रोश पैदा कर दिया है बल्कि सीधे तौर पर "गुरुओ का प्रशासनिक अपमान" किया गया है। बताया जाता है कि जन गणना ड्यूटी की जारी सूची में प्राथमिक विद्यालयों के सहायक अध्यापक और प्रधानाध्यापक को गणना कर्मी बनाया गया है, जबकि उनसे कम वेतनमान और निम्न प्रशासनिक ग्रेड वाले लेखपाल, अमीन और पंचायत सचिवों को सुपरवाइजर की कुर्सी दे दी गई। आदेश सामने आते ही सवाल उठने लगे आखिर यह फैसला किस दिमाग की उपज है?।

जनगणना के नाम पर शिक्षा व्यवस्था की बलि?–– बतादे कि प्रदेश के सरकारी विद्यालय पहले ही शिक्षक संकट, घटती उपस्थिति और गैर–शैक्षणिक कार्यों के बोझ से जूझ रहे हैं। अब जनगणना ड्यूटी ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। शिक्षकों का कहना है ट्रेनिंग के दौरान कई दिनों तक स्कूलों की पढ़ाई प्रभावित हुई, लेकिन इसकी चिंता किसी को नहीं हुई।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब राजस्व विभाग और पंचायत विभाग के कर्मचारी उपलब्ध हैं तो हर बार शिक्षा विभाग को ही क्यों सरकारी मजदूर की तरह इस्तेमाल किया जाता है?।

मानक प्रक्रिया पर भी उठे सवाल––प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि जनगणना जैसे संवेदनशील कार्य में सुपरवाइजर वही होना चाहिए जिसे डेटा प्रबंधन, प्रशासनिक समन्वय और रिकॉर्ड सत्यापन का व्यापक अनुभव हो। ऐसे में वर्षों से विद्यालय संचालन और सरकारी योजनाओं का प्रबंधन कर रहे प्रधानाध्यापकों को अधीनस्थ भूमिका देना कई सवाल खड़ा करता है।शिक्षक संगठनों का आरोप है कि यह फैसला बिना सेवा संरचना और पदानुक्रम का अध्ययन किए लिया गया है। इससे न सिर्फ शिक्षकों का मनोबल टूटेगा बल्कि जनगणना प्रक्रिया की गंभीरता भी प्रभावित होगी।

पद और वेतनमान मे जमीन–आसमान का अन्तर –– बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत सहायक अध्यापक और प्रधानाध्यापक 7वें वेतन आयोग के तहत सामान्यतः लेवल–6 या लेवल–7 के अंतर्गत वेतन प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और प्रधानाध्यापक का ग्रेड पे पूर्व व्यवस्था में 4200 से 4800 तक माना जाता रहा है। वहीं राजस्व विभाग के लेखपाल सामान्यतः पे–लेवल 5 (पूर्व ग्रेड पे ध्2800) के अंतर्गत आते हैं। अमीन का वेतनमान इससे भी नीचे, प्रायः पे–लेवल 4 या 5 के आसपास माना जाता है, जबकि ग्राम पंचायत सचिव का वेतनमान भी अधिकतर पे–लेवल 5 के दायरे में आता है। ऐसे मे शिक्षको में असंतोष लाजमी है। क्योंकि आपत्ति सिर्फ ड्यूटी को लेकर नहीं है, बल्कि उस प्रशासनिक सोच को लेकर है जिसमें विद्यालय संचालन और शैक्षणिक दायित्व निभाने वाले शिक्षकों को अधीनस्थ की भूमिका में खड़ा कर दिया गया है।

## एनएचएम संविदा कर्मियों ने सीएमएस को सौंपा ज्ञापन, नो वर्क नो पे के आधार पर आंदोलन जारी

कुशीनगर। जिला चिकित्सालय कुशीनगर में उ0प्र0 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष ठाकुर मयंक प्रताप सिंह के आह्वान पर एनएचएम के संविदा कर्मचारियों ने शुक्रवार को जिला चिकित्सालय कुशीनगर के सीएमएस को जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार पांडेय के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार पांडेय ने कहा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत श्नो वर्क नो पेश के आधार पर आज से सभी एन एच एम संविदा कर्मी कार्य बहिष्कार कर रहे हैं। यूपी एनएचएम संघ के मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने कहा कि जब तक सभी संविदा कर्मियों का मानदेय उनके खाते में नहीं आ जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दिया कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की पूरी जिम्मेदारी शासन –प्रशासन की होगी। कर्मचारियों का कहा कि लंबे समय से मानदेय न मिलने से आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में संजय राय, रीना राय, पूनम निषाद, नीतू यादव, विभा राय, अनूप बालक राम, दिग्विजय राय सहित सैकड़ों संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

## लूट की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, 3 अभियुक्त गिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर। जनपद के सेवरही पुलिस ने लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए लूट की 2280 रुपये, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल एवं मोबाइल फोन सहित अन्य सामान के साथ 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सेवरही पुलिस ने मुकामी थाना क्षेत्र हुई लूट की घटना का स्थानीय थाना पर पंजीकृत मु0अ0सं0–115ध्2026 धारा 352, 351(3), 309(4), 61(2), 317(2), 3(5) बीएनएस से संबंधित घटना का सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय उनके कब्जे से लूट की धन राशि में से 2280 रुपये, घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल एवं एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन आदि बरामद किया गया। पुलिसिया पूछताछ में गिरफ्तार तीनों अभियुक्त एक ही गांव दवनहा के रहने वाले हैं तथा आपस में मिलकर मनबढ़ किस्म की गतिविधियां करते थे। थाना सेवरही क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर आने –जाने वाले राहगीरों को मारपीट, गाली–गलौज एवं जान से मारने की धमकी देकर लूटपाट करते थे। लूट की गई राशि को आपस में बाँटकर मौज–मस्ती करते थे। बीते 18 मई को दोपहर लगभग 01रू40 बजे लोक नायक इंटर कॉलेज गौरी नगर के मैदान में एक व्यक्ति से 4800ध्– रुपये तथा कुछ महत्वपूर्ण कागजात लूटकर मोटरसाइकिल से भाग निकले थे। जिसके संबंध में थाना सेवरही में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। पूछताछ में तीनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। गिरफ्तार अभियुक्तों में आदित्य राय उर्फ चिन्टू राय, पुत्र मधुसूदन राय, निवासी दवनहा, थाना सेवरही, जनपद कुशीनगर, रजत सिंह, पुत्र दिनेश्वर सिंह, निवासी दवनहा, थाना सेवरही, जनपद कुशीनगर, रंजीत पटेल, पुत्र छोटेलाल पटेल, निवासी दवनहा, थाना सेवरही, जनपद कुशीनगर बताते जा रहे है। बरामदगी एवं गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार सिंह, उ0नि0 अनिल शर्मा चौकी प्रभारी कस्बा सेवरही, उ0नि0 पंकज कुमार, उ0नि0 आकाश सिंह चौकी प्रभारी पिपराघाट, उ0नि0 मिथिलेश प्रजापति, का0 इन्दल यादव, का0 मो0 आरिफ खान, का0 अनिल यादव, का0 रंजीत चौहान शामिल रहे।

# कसया तहसील में 'परिवार राज' ? ट्रांसफर आदेश को ठेंगा दिखाकर तहसील में वर्षो से जमे लेखपाल राधेश्याम सिंह

## बेटी - दामाद भी इसी तहसील में तैनात, आखिर किसके दम पर चल रहा पूरा खेल?

कुशीनगर,। जनपद का कसया तहसील इन दिनों शासन के आदेशों से नहीं, बल्कि रसूखदारों की पकड़ से चलती हुई दिखाई दे रही है। तहसील में तैनात लेखपाल राधेश्याम सिंह को लेकर उठ रहे सवाल अब व्यवस्था की निष्पक्षता पर सीधा तमाचा बन गया हैं। आरोप है कि तबादला आदेश जारी होने और रिलीव करने के स्पष्ट निर्देश के बावजूद राधेश्याम सिंह की कसया तहसील से मोह भंग नही हुआ है और वहा वर्षो से जमे हुए हैं।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि राधेश्याम सिंह अकेले नहीं हैं। उनकी बेटी और दामाद भी इसी तहसील में लेखपाल पद पर तैनात बताए जा रहे हैं। यानी पूरी तहसील को मानो "पारिवारिक जागीर" बना दिया गया हो। सवाल यह है कि आखिर किस नियम–कानून के तहत एक ही परिवार के तीन सदस्य एक ही तहसील में वर्षों से जमे हुए हैं?।

सूत्र बताते हैं कि वर्ष 2025 में शासन स्तर से राधेश्याम सिंह का ट्रांसफर कर दिया गया था। 30 नवंबर 2025 के बाद हर हाल में रिलीव करने का आदेश भी जारी हुआ। लेकिन आदेश फाइलों में दम तोड़ता रहा और लेखपाल साहब आज भी उसी कुर्सी पर विराजमान हैं। इससे स्पष्ट है कि कसया तहसील में शासन नहीं, बल्कि रसूख चलता है। तहसील परिसर में चर्चा है कि बेटी और दामाद की पकड़ के जरिए तहसील प्रशासन को पूरी तरह "मैनेज" कर लिया गया है। आरोप तो यहां तक लग रहे हैं कि प्रभावशाली लोगों संरक्षण के चलते ट्रांसफर आदेश को कूड़ेदान में डाल दिया गया। अगर यह सच है तो यह सिर्फ एक कर्मचारी का मामला नहीं, बल्कि पूरी प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। आम कर्मचारियों को आदेश मिलते ही तत्काल रिलीव कर दिया जाता है। लेकिन यहां मामला अलग है। यहां आदेश भी बेबस है और अधिकारी भी मौन। आखिर क्यों? क्या शासन के नियम सिर्फ कमजोर कर्मचारियों के लिए हैं? क्या रसूखदारों के लिए अलग कानून लिखा गया है? कसया तहसील में अब यह चर्चा आम हो चुकी है कि बिना राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण के कोई कर्मचारी ट्रांसफर के बाद महीनों नहीं टिक सकता। ऐसे में सवाल सीधा है आखिर राधेश्याम सिंह को बचा कौन रहा है? अब देखना दिलचस्प होगा कि जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करता है या फिर लेखपाल के रसूख के आगे बौना बन जाता है।

स्थानांतरण आदेश–– अपर जिलाधिकारी द्वारा दिनांक 25 जून – 2025 को जारी पत्रक संख्या – 1468(4) मे आदेश दिया गया है कि जिलाधिकारी के आदेश दिनांक 24 जून 2025 द्वारा पूर्व आदेश दिनांक 16 जून 2025 से तहसील कसया से तमकुही राज तहसील में स्थानान्तरित लेखपाल राधेश्याम सिंह का स्थानान्तरण माह नवम्बर 2025 तक रोकते हुए तहसील कसया से कार्यमुक्त न किये जाने तथा माह नवम्बर 2025 के पश्चात कार्य मुक्त किये जाने का आदेश पारित किया गया है। तत्क्रम में लेखपाल राधेश्याम सिंह कसया तहसील से माह नवम्बर 2025 के पश्चात तहसील तमकुहीराज के लिए कार्य मुक्त किये जायेगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

# किसान दिवस में विभागीय योजनाओं की गई समीक्षा एवं खरीफ सीजन तैयारियों पर दिया गया विशेष जोर

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आयोजित किसान दिवस में कृषि विभाग की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप कृषि निदेशक द्वारा पिछले माह प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी देते हुए विभागीय योजनाओं की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया। खरीफ सीजन के दृष्टिगत जनपद में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों को अनुदान पर कृषि यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों को केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक खरीदने की सलाह दी गई है। साथ ही निर्देश दिए गए कि किसान अपने खेतों की मिट्टी की जांच अवश्य कराएं, जिससे आवश्यकतानुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत जनपद में फार्मर रजिस्ट्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शत–प्रतिशत किसानों का पंजीकरण समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना फार्मर रजिस्ट्री के किसानों को भविष्य में विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। बैठक में जनपद में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि औषधीय एवं फलदार पौधों के रोपण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आगामी 31 मई तक गड्ढों की खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया जाए तथा आगामी 30 जून तक पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि रक्षा, भूमि संरक्षण, कृषि विपणन, आत्मा परियोजना एवं किसान कल्याण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने किसानों तक योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित कृषि अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जिलाधिकारी ने किसानों के हित में पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनपद के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

## न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता, बार एसोसिएशन ने जताया विरोध

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। लखनऊ में अधिवक्ताओं के चेंबर तोड़े जाने और लाठीचार्ज की घटना के विरोध में सिद्धार्थनगर बार एसोसिएशन के अधिवक्ता बुधवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे।बार एसोसिएशन के महामंत्री श्री शंकर त्रिपाठी एडवोकेट ने बताया कि लखनऊ में विधि व्यवसाय कर रहे अधिवक्ताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना उनके चेंबरों को तोड़े जाने तथा शांतिपूर्ण विरोध कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस प्रशासन द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किए जाने की घटना की अधिवक्ताओं ने कड़ी निंदा की है।उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण जिला न्यायालय, राजस्व न्यायालय सहित अन्य न्यायिक कार्य प्रभावित हुए, जिससे वादकारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान तथा उचित वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की मांग की है।

## पारिवारिक अनबन से नाराज अधेड़ ने खाया जहरीला पदार्थ, हालत गंभीर, मेडिकल कॉलेज रेफर

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन। लोटन कोतवाली क्षेत्र के बघेली गांव में पारिवारिक कलह से तंग आकर एक अधेड़ व्यक्ति द्वारा जहरीला पदार्थ खाने का मामला सामने आया है। हालत बिगड़ने पर पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार, बघेली गांव के निवासी लालचन्द्र (50 वर्ष) पुत्र बृजलाल का किसी बात को लेकर अपने ही परिजनों से विवाद (अनबन) चल रहा था। इसी बात से क्षुब्ध और नाराज होकर लालचन्द्र ने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ खा लिया।जहरीला पदार्थ खाने के कुछ ही देर बाद जब लालचन्द्र की तबीयत बिगड़ने लगी, तो परिजनों को घटना की भनक लगी। आनन–फानन में परिजन उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लोटन लेकर पहुंचे।सीएचसी लोटन के डॉक्टरों ने पीड़ित का प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन स्थिति में सुधार न होने और हालत लगातार नाजुक बनी रहने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।इस पूरे मामले को लेकर जब लोटन कोतवाली प्रभारी हरिओम कुशवाहा से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि फिलहाल पुलिस के पास इस घटना के संबंध में कोई लिखित शिकायत या आधिकारिक जानकारी नहीं आई है।

## लखनऊ में अधिवक्ताओ के ऊपर लाठीचार्ज की सपा अधिवक्ता संघ कुशीनगर ने की निन्दा

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा कुशीनगर के जिलाध्यक्ष एडवोकेट उदयभान यादव ने लखनऊ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर बल प्रयोग करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। अपने डुमरी स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए एडवोकेट उदयभान यादव ने प्रदेश सरकार की बुलडोजर कार्रवाई को जनविरोधी करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर गरीबों और कमजोर वर्ग के लोगों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि न्यायालय की प्रक्रिया को दरकिनार कर की जा रही कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। श्री यादव ने डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर केवल प्रचार में व्यस्त है। किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्गीय परिवारों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और केंद्र की डबल इंजन सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। जनता को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के नाम पर केवल बड़े–बड़े वादे किए गए, लेकिन धरातल पर कोई ठोस कार्य नहीं दिखाई दे रहा है। कुशीनगर एयरपोर्ट का मुद्दा उठाते हुए एडवोकेट उदयभान यादव ने कहा कि एयरपोर्ट के उद्घाटन के समय बड़े–बड़े दावे किए गए थे, लेकिन आज भी यहां से नियमित उड़ान सेवा शुरू नहीं हो सकी है। इससे पर्यटन, व्यापार और स्थानीय लोगों को मिलने वाले लाभ प्रभावित हो रहे हैं।

# नाबालिग प्रकरण में पुलिस ने आरोपित युवक को भेजा जेल

दैनिक बुद्ध का संदेश

**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के कोटिया बाजार निवासी एक व्यक्ति की नाबालिग पुत्री के घर से अचानक लापता होने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है। पुलिस के अनुसार कोटिया बाजार निवासी एक व्यक्ति ने थाना शोहरतगढ़ में तहरीर देकर बताया था कि उसकी करीब 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री बीते 9 मई 2026 की भोर में घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन किए जाने के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद पीड़ित पिता ने थाने पहुंचकर कार्रवाई की मांग की थी। मामले में थाना शोहरतगढ़ में मुकदमा अपराध संख्या 78/2026 धारा 137(2), 87 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। गुरुवार को पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्त मुबारक अली पुत्र मंगरे निवासी कोटिया बाजार थाना शोहरतगढ़ को प्लाईवुड तिराहा खुनुवा रोड के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विजय कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल गिरजेश कुमार, कांस्टेबल रामसेवक यादव एवं कांस्टेबल विनय कुमार यादव शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी का अभियान लगातार जारी रहेगा।

# जनसंपर्क अभियान में भाजपा नेता ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के बढ़नी मंडल में भाजपा नेता जायसवाल के नेतृत्व में गुरुवार को जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दुधवानिया खुर्द, खुरहुरिया, ढेकहरी, मढ़नी गजेहड़ी, बैरियहवा और कल्लनडीहवा समेत कई गांवों में पहुंचकर लोगों को प्रदेश सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यकर्ताओं ने घर–घर जाकर ग्रामीणों से संवाद किया तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पत्रक वितरित किए। इस दौरान किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग के लिए संचालित योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही लोगों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील भी की गई। भाजपा नेता जायसवाल ने कहा कि सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भी सरकार की योजनाओं को लेकर अपनी जिज्ञासाएं साझा कीं, जिनका कार्यकर्ताओं ने समाधान किया। अभियान में अभय पांडेय, राम बहादुर यादव, राकेश गौतम, जितेंद्र सैनी, बब्लू साहू, रमजान अली, रिजवान अली, रामसुंदर चौरसिया, रामदास सैनी और करन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

# विद्युत कटौती से जनता त्रस्त, शाम होते ही गुल हो रही बिजली

दैनिक बुद्ध का संदेश

**खेसरहा।** बांसी तहसील क्षेत्र अंतर्गत बांसी ग्रामीण फीडर से हो रही लगातार विद्युत कटौती से तेलौरा क्षेत्र की जनता परेशान हो गई है। खासकर शाम के समय होने वाली अघोषित बिजली कटौती लोगों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पूरी रात बिजली की आंख–मिचौली जारी रहती है। कभी रात 2 बजे बिजली आती है तो कभी सुबह 5 बजे तक इंतजार करना पड़ता है। भीषण गर्मी में लोगों का हाल बेहाल हो गया है। खेसरहा फीडर क्षेत्र में रात के समय अक्सर बिजली खराब रहने की शिकायत रहती है। यदि बिजली आती भी है तो वोल्टेज इतना कम रहता है कि घरों में बल्ब और पंखे तक ठीक से नहीं चल पाते। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब लोगों को सबसे अधिक बिजली की आवश्यकता होती है, उसी समय घंटों बिजली काट दी जाती है। शाम के समय भोजन बनाने और खाने के दौरान बिजली गुल रहने से महिलाओं और बच्चों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि लगातार कटौती और लो–वोल्टेज के कारण दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। भीषण गर्मी में बिजली न रहने से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस संबंध में जेई दिनेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कटौती उनके स्तर से नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा, "यह कटौती ऊपर से की जाती है, हमारे बस की बात नहीं है।" साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की कटौती को केवल सांसद और विधायक स्तर से ही रुकवाया जा सकता है। क्षेत्रीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से जल्द समाधान की मांग की है। अब देखना यह होगा कि जनता की इस गंभीर समस्या को लेकर जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि क्या कदम उठाते हैं।




# लखनऊ में वकीलों के साथ पुलिस द्वारा हुई मारपीट के विरोध में सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बांसी।** आजाद अधिकार सेना ने जिला अध्यक्ष उपेंद्र चतुर्वेदी के नेतृत्व में लखनऊ में वकीलों के साथ पुलिस द्वारा की गई मारपीट एवं अधिवक्ताओं के उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन करते हुए तहसीलदार के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। प्रत्यावेदन में कहा गया कि लखनऊ में वकीलों के चौंबरों पर गैरकानूनी एवं मनमाने ढंग से बुलडोजर चलाया गया तथा अधिवक्ताओं पर निर्ममतापूर्वक लाठीचार्ज किया गया। संगठन ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि यह घटना वकीलों के उत्पीड़न का अकेला मामला नहीं है। आजाद अधिकार सेना ने वकीलों के प्रति अपना समर्थन और सहयोग व्यक्त करते हुए दोषी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विशेषकर ठाकुरगंज एसएचओ और अन्य जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई, एफआईआर दर्ज करने तथा निलंबन की मांग की। संगठन ने लाठीचार्ज में घायल हुए वकीलों के समुचित इलाज का खर्च सरकार द्वारा उठाने, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा जिन अधिवक्ताओं के चौंबर तोड़े गए हैं उनके लिए तत्काल वैकल्पिक बैठने की व्यवस्था किए जाने की भी मांग की। इसके साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाने तथा अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लंबे समय से लंबित 'अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम' को अविलंब लागू करने की मांग भी उठाई गई। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



# बांसी नगर पालिका परिषद के सीमा विस्तार को लेकर सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

**बांसी/सिद्धार्थनगर।** आदर्श व्यापार मंडल की ओर से मंडलायुक्त/विहित प्राधिकारी अधिकारी नगर निकाय तथा जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर के नाम सांसद जगदंबिका पाल के विधानसभा प्रभारी प्रिंस शर्मा को व्यापार मंडल के कैंप कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में नगर पालिका परिषद बांसी के सीमा विस्तार एवं परिसीमन की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि नगर पालिका परिषद बांसी की बढ़ती जनसंख्या, व्यापारिक गतिविधियों के विस्तार तथा आसपास के गांवों के तेजी से हो रहे शहरीकरण को देखते हुए सीमा विस्तार अत्यंत आवश्यक हो गया है। रेलवे स्टेशन, मालगोदाम एवं आसपास के क्षेत्रों को नगर पालिका सुविधाओं से जोड़ने के साथ–साथ पार्क, स्टेडियम, आवासीय एवं गैर–आवासीय शैक्षिक संस्थानों सहित विभिन्न विकास कार्यों के लिए सरकारी भूमि की आवश्यकता को भी प्रमुख कारण बताया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व में तत्कालीन जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी द्वारा सीमा विस्तार और परिसीमन की प्रक्रिया में काफी कार्य किया जा चुका था। शामिल किए जाने वाले क्षेत्रों एवं गांवों की पहचान तथा चिन्हांकन का कार्य लगभग पूरा हो चुका था, लेकिन अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद यह प्रक्रिया प्रभावित हो गई, जिससे आमजन में निराशा का माहौल है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने कहा कि "बांसी के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए नगर पालिका सीमा विस्तार समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रशासन को जनहित में लंबित प्रक्रिया को जल्द पूरा करना चाहिए।" इस दौरान देवव्रत वर्मा (कार्य समिति सदस्य, आदर्श व्यापार मंडल), अरविंद कुमार जायसवाल सहित व्यापार मंडल के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# धारा–24 प्रकरण में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त, राजस्व निरीक्षक से स्पष्टीकरण व लेखपाल पर विभागीय कार्रवाई के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश




**सिद्धार्थनगर।** जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा तहसील बांसी क्षेत्र के ग्राम सोनखर निवासी शिकायतकर्ता इबारत अली पुत्र मो. इन्द्रीश के शिकायती प्रकरण का निरीक्षण किया गया। शिकायतकर्ता द्वारा आरोप लगाया गया था कि धारा–24 के अंतर्गत पैमाइश नहीं कराई गई तथा राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल द्वारा लगभग डेढ़ वर्ष से उन्हें गुमराह किया जा रहा है। मामले की जांच के दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बांसी को राजस्व निरीक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त करने तथा संबंधित लेखपाल के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि खतौनी में शिकायतकर्ता का नाम दर्ज नहीं है तथा अन्य काश्तकारों के गाटों की पैमाइश कराए जाने हेतु प्रार्थना–पत्र दिया गया था। हालांकि अन्य काश्तकार पैमाइश कराने के लिए तैयार नहीं हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि मामला आबादी भूमि से संबंधित है। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी बांसी को निर्देशित किया कि शिकायत का शीघ्र निस्तारण कर आख्या उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी बांसी श्री निखिल चक्रवर्ती सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# न्यूनतम वेतन न देने पर होगी कार्रवाई : एएलसी

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 17 अप्रैल 2026 को जारी शासनादेश में प्रदेश में कार्यरत इकाइयों के लिए विभिन्न न्यूनतम वेतन मान निर्धारण किया गया है। जिसके क्रम में सिद्धार्थनगर मे अकुशल श्रमिकों के लिए 12,356 रुपये, अर्द्धकुशल श्रमिकों के लिए 13,590 रुपये तथा कुशल श्रमिकों के लिए 15,224 रुपये प्रतिमाह न्यूनतम वेतन निर्धारित किया गया है। जिले में संचलित कम्पनियां, राइस मिल, ईंट भट्ठों, ट्रांसपोर्टर, गैस एजेंसियां, पेट्रोल पम्प, स्कूल, कालेज, हॉस्पिटल, होटल, स्वयं सेवी संस्थाएं आदि को इसका अनुपालन करना अनिवार्य है। प्रत्येक श्रमिक को, चाहे वह सेवायोजक के मस्टर रोल पर हो, संविदाकार के अधीन हो, दैनिक वेतन पर हो अथवा अन्य किसी व्यवस्था में कार्यरत हो, को निर्धारित न्यूनतम वेतन दिया जाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त सप्ताह में 48 घंटे तक कार्य लेने का ही प्रावधान है उससे अधिक कार्य लेने पर हर घंटे के लिए निर्धारित दर से दोगुना ओवरटाइम भुगतान करना होगा व पे स्लिप उपलब्ध करानी होगी। यह बातें सहायक श्रमायुक्त ओम प्रकाश ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कही। उन्होंने विज्ञप्ति के माध्यम से ये भी कहा कि निर्धारित न्यूनतम वेतन देना श्रम अधिनियमों के तहत अनिवार्य है। न्यूनतम वेतन एवं वेतन पर्ची जैसे मूल प्रावधानों के अनुपालन को लेकर नियमित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। श्रम कानूनों के अनुपालन में लापरवाही पाई जाती है तो जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# सर्वोच्च न्यायालय में लंबित वादों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत 21,22 और 23 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

**उसका बाजार/सिद्धार्थनगर।** मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के निर्देशन में सम्पूर्ण भारतवर्ष में सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित वादों को सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारित कराने के संबंध में 21 अप्रैल 2026 को समाधान समारोह का शुभारम्भ किया गया है। यह अभियान आगामी 21, 22, तथा 23 अगस्त, 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ सम्पन्न होगा। यह जानकारी सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री शैलेन्द्र नाथ ने दी है। उन्होने बताया कि न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर–घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्तरूप देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा, समाधान समारोह 2026 का आयोजन 21 अप्रैल 2026 से आरम्भ किया गया है। जिसकी परिणति 21, 22 तथा 23 अगस्त, 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगी। विशेष लोक अदालत का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त, को होगा जिसमे माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित मामलो को शामिल किया जायेगा। इस सुलह वार्ता का आयोजन 21 अप्रैल 2026 को समाधान समारोह के आरम्भ के साथ शुरू हो चुका है। इस समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) के आयोजन का लक्ष्य सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित उपयुक्त मामलो का सुलह एवं आपसी सहमति से निष्पादन करना है। अधिवक्तागण, वादकारियों तथा अन्य सभी सम्बन्धित पक्षों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए आमंत्रित किया जाता है। 21 अप्रैल 2026 से प्रारम्भ हुए समाधान समारोह में आपसी सहमति एवं वार्ता से समाधान तलासने का प्रयास किया जायेगा। इन सुलह बैठको का आयोजन राज्य/जिला/तालुका/उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण/समिति स्थिति मध्यस्थता केन्द्र मे किया जायेगा जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ तथा/ अथवा सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण/समिति पक्षकारो की मदद करेगें। पक्षकार इन सुलह–प्रयास हेतु बैठको/वार्ताओं में सशरीर अथवा आभासी रूप से शामिल हो सकते है। अपने मामले ( जो सर्वोच्च न्यायालय में लंबित है ) को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) में कैसे शामिल करें। इस वास्ते गूगल फॉम तैयार किया गया है। इस फार्म को भरना अत्यन्त सरल है। इसे भरकर अपने मामले को समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026 में शामिल किया जा सकता है। यह गूगल फॉर्म माननीय सर्वोच्च न्यायालय के वेबसाइट ीजजचेरू//ूूबप. हवअ.पद पर उपलब्ध है।सचिव ने बताया कि गूगल फॉम लिंक– ीजजचेरू//वितउे. हसम/चर्ट्इपर्6ू।च्तबहर्डे8 है गूगल फार्म भरने का अंतिम तिथि 31 मई, 2026 हर प्रकार की सहायता/जानकारी के लिए सम्पर्क करें।



# निर्माणाधीन उपनिबंधक कार्यालय बांसी का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निर्माणाधीन उपनिबंधक कार्यालय, बांसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन भवन का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य का थर्ड पार्टी सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए, ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान उपमहानिरीक्षक निबंधक बस्ती मंडल, बस्ती शशि भानु मिश्र, सहायक महानिरीक्षक निबंधक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, उप निबंधक बांसी श्री राकेश राम सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# दीवानी न्यायालय परिसर की दुकानों एवं वाहन स्टैण्ड की नीलामी 29 मई को

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** माननीय जनपद न्यायाधीश, सिद्धार्थनगर के आदेशानुसार दीवानी न्यायालय सिद्धार्थनगर के मुख्यालय परिसर में स्थित कैन्टीन, फोटो कॉपी मय फोटोग्राफी की दुकान संख्या–01, जनरल स्टोर एवं बेकरी की दुकान, पान की दुकान तथा वाहन स्टैण्ड की नीलामी दिनांक 29 मई 2026 को अपराह्न 01:30 बजे जनपद न्यायालय के सभागार में आयोजित की जाएगी। जिस किसी इच्छुक व्यक्ति को उक्त नीलामी/ठेका प्रक्रिया में भाग लेना हो, वह निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नियमानुसार नीलामी में प्रतिभाग कर सकता है। उक्त आशय की जानकारी नीलामी समिति के अध्यक्ष एवं विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस.टी. एक्ट, जनपद न्यायालय सिद्धार्थनगर, त्रिभुवन नाथ द्वारा दी गई।

# सम्पादकीय

**जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डश्वक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि ...**

## महंगी मशीनें विलासिता नहीं बुनियादी जरूरत

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ–साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़ती खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है। न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी–भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार–बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं। जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों के मरीज अक्सर लंबी दूरी तय करके सरकारी अस्पतालों तक पहुंचते हैं। अक्सर देखा जाता है कि उन्हें या तो मशीनें काम न करने वाली मिलती हैं या चलाने वाले कर्मचारी नहीं मिलते। निर्विवाद रूप से केवल मशीनें लगाने से ही मरीजों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। सही मायनों में सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता के साथ ही डॉक्टरों, तकनीशियनों आदि की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी ही चाहिए। वास्तव में किसी भी स्वास्थ्य सेवा का मूल्यांकन खरीदी गई महंगी मशीनों से नहीं, बल्कि सही समय पर उपचार का लाभ पाने वाले मरीजों की संख्या से होता है।

## गुस्से की आवाज और जूते का लॉजिक

भारतीय संस्कृति में जूता सिर्फ पहना नहीं जाता, जरूरत पड़ने पर दिखाया भी जाता है। तभी तो हमारे गुस्से की आवाज पहले आती है हरियाणवी पूछता हैकृमन्नैं आंख दिखावै? हिंदी भाषी कहेंगे आप मुझे क्यों घूर रहे हो? इतनी लंबी लाइन बोलते–बोलते तो हमारा गुस्सा ही ठंडा हो जाए! हरियाणवी का गुस्से में जवाब होगाकृमेरा जूता दिखै है ना। और सामने वाला समझ जाता है कि अब इतिहास लिखा जाएगा। हमारी बोली का गुस्सा क्यों खास है क्योंकि हमारे यहां गुस्सा भी देसी है। वो मिट्टी से जुड़ा है। वो जूते से शुरू होकर चप्पल तक जाता है और फिर मां के 'एक झापड़ पड़ैगा' पर आकर स्थिर हो जाता है। ब्रांडेड जूते इतने महंगे हो गये हैं कि दादाजी को पूछना पड़ता है– छोरे! प्लॉट ले रह्या है अक जूते? दार्शनिकों को तो यह भी कहना है कि चप्पल से बड़ा कोई कप्पल नहीं, एक खो जाये तो दूसरे का अस्तित्व ही खो जाता है। बड़े–बूढ़ों का कहना है कि जूता भी बादाम की तरह होता है, जितना खाओगे उतना ही दिमाग तेज होगा। एक बात माननी पड़ेगी कि इंटरव्यू वाले दिन लड़के जूते ऐसे चमकाते हैं माने जूता ही इंटरव्यू देने जा रहा हो। ताऊ नया जूती पहन कर चौपाल में गया तो एक ने कह दिया– वाह ताऊ आज तो नयी जूती गाड़ कै आ रह्या है। ताऊ बोल्या– के होग्या फेर, पैर तो पुराने हैं। हमारे यहां जूता सिर्फ फुटवियर नहीं बल्कि एक विचारधारा है। भारतीय संस्कृति में जूता सिर्फ पहना नहीं जाता, जरूरत पड़ने पर दिखाया भी जाता है। तभी तो हमारे गुस्से की आवाज पहले आती है और लॉजिक बाद में। जूता छिपाई की रस्म शादियों में तो सालियां करती हैं पर मंदिरों में जूता–चुराई की रस्म कौन साले करते हैं, आज तक नहीं पता चला। जूता चप्पल, झाड़ू, बेलन ये सब गुस्से के हथियार हैं। अपने यहां जब क्रोध सुलगने लग जाये तो गुस्से में कहा जाता है– जूता निकालूं क्या? मेरा मन सोचता है कि बेचारे अंग्रेज क्या निकालते होंगे? हमारे यहां तो बरसों पहले कहा गया कि लातों के भूत बातों से नहीं जूतों से मानते हैं। यह असल में एक सांस्कृतिक अलार्म है जो बताता है कि जहां कानून ना माना जाये वहां जूता लोकतंत्र संभाल लेता है। यह संवाद आखिरी सीटी है।

## चुनावी तंत्र में भरोसा कायम रखने की चुनौती

**देश में मतदाता सूची भी राजनीतिक यु) का मैदान बन चुकी है। बहस का मूल प्रश्न एसआईआर का होना या नहीं होना नहीं, बल्कि यह है कि क्या भारत की चुनावी प्रणाली आम नागरिक में भरोसा पैदा कर पा रही है? जब कोई मतदाता यह महसूस करने लगे कि उसका वोट सुरक्षित नहीं है या चुनावी प्रक्रिया पर राजनीतिक प्रभाव है, तब लोकतंत्र केवल संवैधानिक ढांचा भर रह जाता है। चुनाव आयोग की भूमिका ...**

एसआईआर का तीसरा चरण केवल वोटर लिस्ट सुधार कार्यक्रम नहीं। यह भारत के लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और राजनीतिक दलों की परिपक्वता की एक साथ परीक्षा है। यदि यह प्रक्रिया पारदर्शी, संतुलित और निष्पक्ष तरीके से पूरी होती है तो भारतीय लोकतंत्र और मजबूत होकर उभरेगा। भारत में चुनाव केवल सरकार बदलने की प्रक्रिया नहीं होते, वे लोकतंत्र की सामूहिक वैधता का उत्सव भी होते हैं। लेकिन जब मतदाता सूची ही सवालों के घेरे में आ जाए, तब लोकतंत्र की पूरी संरचना बहस के केंद्र में आ खड़ी होती है। यही वजह है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किया जा रहा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का तीसरा चरण केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति का संवेदनशील अध्याय बन गया है। निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर लागू करने का कार्यक्रम घोषित किया है। इनमें ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली, नागालैंड और त्रिपुरा शामिल हैं, जबकि केंद्रशासित प्रदेशों में दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, तथा चंडीगढ़ को शामिल किया गया है। इनमें से कई राज्यों में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। इसलिए इस प्रक्रिया को केवल 'मतदाता सूची सुधार अभियान' मानकर नहीं देखा जाएगा। इसके राजनीतिक अर्थ, चुनावी प्रभाव व लोकतांत्रिक संकेत दूरगामी होंगे। चुनाव

आयोग का तर्क है कि इस मुहिम का मकसद मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है। मृत मतदाताओं के नाम हटाने हैं, डुप्लीकेट वोट समाप्त करने हैं, माइग्रेशन के कारण बदले पते अपडेट करने हैं और नए पात्र मतदाता जोड़ने हैं। सिद्धांततः इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लेकिन राजनीति केवल सिद्धांतों से नहींय आशंकाओं व अनुभवों से भी संचालित होती है। ऐसे में एसआईआर तकनीकी प्रक्रिया कम और राजनीतिक बहस अधिक बन चुका है। बीते कुछ वर्षों में बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मतदाता सूची को लेकर विवाद उठते रहे हैं। विपक्षी दल आरोप लगाते रहे कि बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं या फिर चुनावी लाभ के लिए वोटर लिस्ट में 'मैनेजमेंट' किया जा रहा है। हाल में पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद यह बहस और तेज हो गई। विपक्ष का आरोप है, चुनावी प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता नहीं।

दूसरी ओर केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ दल इन आरोपों को राजनीतिक हार की हताशा बताते हैं। यानी मतदाता सूची अब केवल प्रशासनिक दस्तावेज नहीं रहीय राजनीतिक विश्वास और अविश्वास की कसौटी बन चुकी है। यहीं बड़ा सवाल है कि क्या एसआईआर वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करने की निष्पक्ष प्रक्रिया है,या फिर राजनीति के ध्रुवीकरण में यह भी नया सियासी औजार बनता जा रहा है? सैद्धांतिक रूप से देखें तो एसआईआर की जरूरत है। इस विशाल देश में लगातार माइग्रेशन, शहरीकरण और जनसंख्या गतिशीलता के कारण मतदाता सूची को अद्यतन रखना बेहद कठिन कार्य है। करोड़ों लोग रोजगार, शिक्षा और सामाजिक कारणों से लगातार स्थान बदलते हैं। लाखों लोग मृत्यु के बाद भी वर्षों तक वोटर लिस्ट में बने रहते हैं। डुप्लीकेट वोट भी हैं। यदि निर्वाचन आयोग समय–समय पर व्यापक पुनरीक्षण न करे तो चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता कमजोर पड़ सकती है। लेकिन विपक्ष का आरोप है, सत्यापन प्रक्रिया कई बार चयनात्मक दिखाई देती है।

खासकर गरीब, प्रवासी, किरायेदार और हाशिये पर खड़े वर्गों के मतदाता सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन लोगों के पास स्थायी दस्तावेज नहीं, बार–बार पता बदलता है, या जो प्रशासनिक प्रक्रियाओं तक आसानी से नहीं पहुंच पाते, वे सबसे पहले सूची से बाहर होते हैं। भारतीय निर्वाचन आयोग दुनिया की सबसे विश्वसनीय चुनावी संस्थाओं में गिना जाता रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। ऐसे में एसआईआर उसके लिए भी बड़ी परीक्षा है। ऐसे में निष्पक्ष होने के साथ ही निष्पक्ष दिखना भी जरूरी होगा। यदि लाखों मतदाताओं के नाम कटते हैं तो आयोग को पारदर्शी तरीके से यह बताना होगा कि किन आधारों पर कार्रवाई हुई। लगभग सभी राजनीतिक दल सिद्धांततः 'शुद्ध मतदाता सूची' के पक्ष में हैं, लेकिन व्यवहार में हर दल की चिंता अपने वोट बैंक को लेकर है। यदि किसी राज्य में बड़ी संख्या में शहरी प्रवासी मतदाता सूची से बाहर होते हैं तो इसका प्रभाव अलग होगा। ग्रामीण इलाकों में नाम कटते हैं तो समीकरण अलग होंगे। यदि नए युवा मतदाता बड़ी संख्या में जुड़ते हैं तो चुनावी रुझान बदल सकते हैं। यानी एसआईआर चुनावी गणित का भी बड़ा कारक है।

## हंतावायरस–इबोला से फिर स्वास्थ्य चुनौती

**अफ्रीका में इबोला के मामले सामने आने से कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज पर कुछ यात्रियों के हंतावायरस के संक्रमित लोगों की खबर ने कोविड के दिनों की याद ताजा कर दी। छह साल पहले, मार्च 2020 में एक क्रूज जहाज रूबी प्रिंसेस के सिडनी में डश्वक होने के बाद कोविड फैल गया था। जहाज से उतरे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 575 लोग कोविड से संक्रमित थे। इसके बाद यह ...**

कांगो में तेजी से फैल रहे इबोला वायरस ने चिंता बढ़ा दी है क्योंकि वहां युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है जिसे रोकने के लिए कम ही साधन हैं। वायरस संक्रमित लोगों में से एक–तिहाई लोगों की जान ले लेता है। वहीं हंतावायरस की नई चुनौती भी है। कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज, एमवी होंडियस पर हंतावायरस के मामलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए नई चिंता पैदा कर रहा है। यह वायरस हफ्तों से दुनिया के एक ऐसे हिस्से में फैल रहा है, जहां गृह युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। साथ ही, इसमें शामिल इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है। इसलिए इस वायरस को रोकने के लिए अधिकारियों के पास कम ही साधन उपलब्ध हैं। यह वायरस संक्रमित लोगों में से लगभग एक–तिहाई लोगों की जान ले लेता है। यह इस महामारी के फैलने का एक बहुत ही नाजुक दौर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक प्रतिनिधि ा ऐन एन्सिया ने चेतावनी दी है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप, जिसने कम से कम 131 लोगों की जान ले ली है, शायद मूल अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से फैल रहा है। डॉ. एन्सिया ने बताया कि जांच से यह और भी साफ होता जा रहा है कि

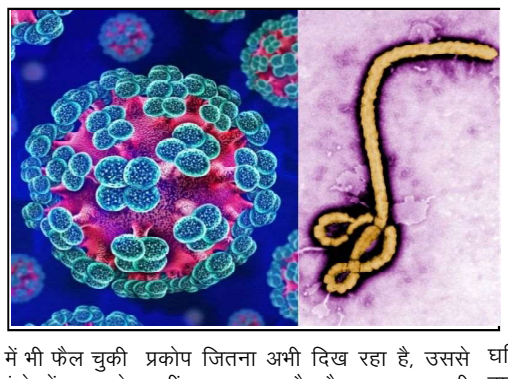

यह बीमारी दूसरे इलाकों में भी फैल चुकी है। अभी तक डीआर कांगो में 513 से ज्यादा मामलों का संदेह है, जबकि पड़ोसी देश युगांडा में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। लंदन स्थित एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इन्फेक्शियस डिजीज एनालिसिस द्वारा जारी किए गए एक मॉडल के अनुसार, इबोला के बहुत से मामले पकड़ में नहीं आए हैं, और इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मामलों की संख्या 1,000 से अधिक है। दरअसल, मौजूदा प्रकोप जितना अभी दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा है और इसका असली दायरा अभी भी अनिश्चित है। 6 अमेरिकी नागरिकों के वायरस के संपर्क में आने की सूचना मिली है। इबोला के अधिकतर मामले छोटे स्तर के ही होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ 2014–16 में फैली महामारी को याद करके नए प्रकोप पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। उस समय पश्चिम अफ्रीका में इबोला के सबसे बड़े प्रकोप के दौरान 28,600 लोग संक्रमित हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी' घोषित किया है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि हम कोविड जैसी किसी बड़ी महामारी के शुरुआती दौर में पहुंच गए हैं। पूरी दुनिया के लिए इबोला से होने वाला खतरा अब भी कम है। वर्ष 2014–16 में इबोला महामारी के दौरान भी ब्रिटेन में इबोला के केवल तीन मामले सामने आए थे, और वे सभी स्वास्थ्यकर्मी थे जो स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए थे। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के पैंडेमिक साइंसेज इंस्टिट्यूट की वैज्ञानिक डॉ. अमांडा रोजेक का कहना है कि नए प्रकोप पर काबू पाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी तालमेल की जरूरत है। युगांडा, दक्षिण सूडान और रवांडा जैसे पड़ोसी देशों के लिए यह इबोला अब भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। इन देशों को व्यापार और यात्रा के घनिष्ठ संबंधों के कारण 'उच्च जोखिम' वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। इबोला एक गंभीर और जानलेवा संक्रामक बीमारी है। दरअसल, इबोला वायरस स्वाभाविक रूप से जानवरों, मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों को संक्रमित करते हैं, लेकिन अगर लोग उनके सीधे संपर्क में आते हैं, तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं। इस प्रकोप का कारण इबोला वायरस की बुंडिबुग्यो प्रजाति है। यह उन तीन प्रजातियों में से एक है, जिनके कारण संक्रमण फैलता है। बुंडिबुग्यो ने पहले केवल दो बार प्रकोप फैलाया है। वर्ष 2007 और 2012 में इसने संक्रमित लोगों में से लगभग 30 प्रतिशत की जान ले ली थी। बुंडिबुग्यो वायरस स्वास्थ्य कर्मियों के समक्ष कई तरह की चुनौतियां खड़ी करता है। इबोला वायरस की अन्य प्रजातियों के विपरीत बुंडिबुग्यो के लिए कोई भी स्वीकृत टीका या दवा उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाएं अवश्य मौजूद हैं। वायरस के संक्रमण की पुष्टि करने वाले टेस्ट बहुत कारगर नहीं हैं। इस प्रकोप के शुरुआती नतीजे इबोला वायरस के लिए नेगेटिव आए थे और वायरस की पुष्टि करने के लिए अधिक उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों की आवश्यकता पड़ी। इसमें बुंडिबुग्यो भी शामिल है। ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर ट्रूडी लैंग कहती हैं कि बुंडिबुग्यो से निपटना इस प्रकोप में एक बहुत बड़ी चिंता है।

समझा जाता है कि संक्रमण होने के दो से 21 दिनों के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शुरुआत में ये फ्लू के लक्षणों जैसे होते हैं जिनमें बुखार, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। लेकिन जैसे–जैसे इबोला बढ़ता है, इससे उल्टी, दस्त और शरीर के अंगों का काम करना बंद हो जाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कुछ मरीजों को शरीर के अंदर और बाहर रक्तस्राव की समस्या भी हो जाती है। बुंडिबुग्यो वायरस को सीधे निशाना बनाने के लिए कोई भी स्वीकृत दवा उपलब्ध न होने के कारण इसका इलाज बेहतर सहायक देखभाल पर निर्भर करता है, जिसमें दर्द, अन्य संक्रमणों, शरीर में तरल पदार्थों और पोषण का प्रबंधन शामिल है।

# ट्रंप के अल्टीमेटम के बीच एक्शन में पाकिस्तान, आसिम मुनीर का मिशन तेराहन रोकेगा जंग?

ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच राजनयिक प्रयास जारी रहने के मद्देनजर, पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के गुरुवार को तेहरान की यात्रा करने की संभावना है। ईरानी मीडिया आउटलेट आईएसएनए ने इस बात की जानकारी दी है। यह घटनाक्रम दोनों पक्षों के बीच जारी अप्रत्यक्ष वार्ता के बीच आया है, जिसमें पाकिस्तान संदेशों के आदान–प्रदान के लिए एक माध्यम की भूमिका निभा रहा है। बुधवार को इससे पहले, पाकिस्तान के गृह मंत्री सैयद मोहसेन नकवी ने इस सप्ताह दूसरी बार तेहरान का दौरा किया और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन सहित ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की।

आईएसएनए की रिपोर्ट के अनुसार, उन बैठकों के दौरान पेजेश्कियन ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों के साथ–साथ अमेरिका–ईरान की अप्रत्यक्ष वार्ता और चल रहे राजनयिक परामर्शों की स्थिति पर भी चर्चा की। इस बीच, रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वार्ता से परिचित तीन सूत्रों के अनुसार, मुनीर गुरुवार को तेहरान जाने या न जाने का फैसला कर सकते हैं। नाम गुप्त रखने की शर्त पर बात करने वाले सूत्रों ने बताया कि इस फैसले पर अभी विचार चल रहा है। 8 अप्रैल से लागू युद्धविराम ने शत्रुता को विराम दिया है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार चेतावनी दी कि कूटनीति के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने आगे कहा कि वार्ता एक संभावित समझौते और पुनः तनाव बढ़ने के बीच सीमा रेखा पर है। जॉइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि विश्वास कीजिए, मामला बिल्कुल नाजुक मोड़ पर है। अगर हमें सही जवाब नहीं मिले, तो हालात बहुत जल्दी बिगड़ सकते हैं। हम सब तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर नतीजे संतोषजनक नहीं रहे तो राजनयिक प्रयास जल्द ही विफल हो सकते हैं, और इस बात पर जोर दिया कि "हमें सही जवाब मिलने ही चाहिए।

# ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा कन्ट्रोल जहाजों के लिए परमिट अब अनिवार्य, ग्लोबल टेंशन!

हाल ही में गठित फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन पर्यवेक्षण क्षेत्र की सीमाएं निर्धारित की हैं। पीजीएसए ने एक पोस्ट में बताया कि पर्यवेक्षण क्षेत्र होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में ईरान के कुह मुबारक और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह के दक्षिण को जोड़ने वाली रेखा से शुरू होकर, होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में ईरान के केशम द्वीप के अंतिम छोर और संयुक्त अरब अमीरात के उम अल–कैवेन को जोड़ने वाली रेखा तक फैला हुआ है।

प्रबंधन निकाय ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए इस सीमा में आने वाली आवृत्तियों के लिए फारस की खाड़ी जलमार्ग प्रबंधन के साथ समन्वय और इस निकाय से अनुमति की आवश्यकता होती है।

यह ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका–ईरान शांति वार्ता में गतिरोध जारी है और कोई भी पक्ष अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं है। वाशिंगटन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की है, जबकि तेहरान अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर अड़ा हुआ है और होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण की मांग कर रहा है। ईरान ने सोमवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व वाले जलमार्ग से संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन और निगरानी के लिए एक नए नियामक निकाय के गठन की घोषणा की। इस्लामिक गणराज्य की सर्वोच्च सुरक्षा संस्था, सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इंटरनेट पर एक पोस्ट साझा किया जिसमें बताया गया कि ष्फारसी खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरणष (पीजीएसए) का आधिकारिक अकाउंट अब चालू हो गया है।

इस घोषणा से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों और गतिविधियों की निगरानी के लिए एक समर्पित निकाय की औपचारिक स्थापना का संकेत मिला।

होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल और ऊर्जा शिपमेंट के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। इस महीने की शुरुआत में, ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी ने बताया कि तेहरान ने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात को नियंत्रित करने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की है। रिपोर्ट के अनुसार, जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को अब **info@PGSA-ir** ईमेल पते पर आधिकारिक सूचना प्राप्त होगी, जिसमें नए लागू ढांचे के तहत आवागमन के नियमों और विनियमों का विवरण होगा।

# पश्चिम एशिया में जंग खत्म करने का नया **Formula**, अमेरिकी **Ceasefire** प्रस्ताव पर ईरान कर रहा मंथन

अमेरिका ने पश्चिम एशिया संघर्ष को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए पाकिस्तान के माध्यम से एक नया युद्धविराम प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। अल अरबिया ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी है। ईरान इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है, लेकिन मध्यस्थों द्वारा अमेरिकी और ईरानी प्रस्तावों के बीच मतभेदों को कम करने के प्रयासों के चलते उसने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है।

बातचीत जारी रहने के बीच, पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने ईरान की यात्रा की योजना बनाई है। हालांकि, अल अरबिया के अनुसार, यह योजना अधर में लटकी हुई है और तभी आगे बढ़ेगी जब ईरान नए प्रस्ताव को स्वीकार कर लेगा। इससे पहले, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि ईरान अमेरिका के साथ सद्भावनापूर्वक बातचीत कर रहा है, हालांकि वह अमेरिका को लेकर अब भी गहरी शंका रखता है। ईरान के सरकारी मीडिया प्रेस टीवी ने बताया कि बगाई को ईरान के 14 सूत्री प्रस्ताव पर अमेरिका की प्रतिक्रिया मिल गई है और वे इसकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी की तेहरान यात्रा दोनों पक्षों के बीच इन आदान–प्रदानों को समर्थन और सुगम बनाने के उद्देश्य से है। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बगाई ने कहा कि इस समय, हमारा ध्यान लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने पर केंद्रित है, और उन्होंने वार्ता में तेहरान की वर्तमान प्राथमिकता पर जोर दिया। ईरानी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि ईरान की प्रमुख मांगों में जब्त की गई संपत्तियों की रिहाई, जिसे उन्होंने समुद्री डकैती कहा है, का अंत और ईरानी जहाजों को निशाना बनाने वाली कार्रवाइयों पर रोक शामिल है। बगाई ने दोहराया कि तेहरान पूरी सद्भावना और गंभीरता के साथ वार्ता में शामिल है, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी इस प्रक्रिया में ईमानदारी दिखानी चाहिए।

# ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में उतरे केमिस्ट

फतेहपुर। जिले के दवा व्यापारियों ने अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और फर्जी ई–प्रिस्क्रिप्शन के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए बुधवार को प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट संगठन के बैनर तले जुटे व्यापारियों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स द्वारा नियमों को ताक पर रखकर की जा रही दवा बिक्री से न सिर्फ मरीजों की सेहत खतरे में पड़ रही है, बल्कि लाखों छोटे दवा कारोबारियों का अस्तित्व भी संकट में आ गया है। राधानगर स्थित संगठन कार्यालय से बड़ी संख्या में दवा व्यापारी एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। ऑनलाइन दवा कंपनियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बिना वैध डॉक्टर परामर्श और सत्यापित ई–प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की होम डिलीवरी खुलेआम की जा रही है, जो सीधे तौर पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 और नियम 1945 की भावना के विपरीत है। संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि वर्ष 2018 में जारी अधिसूचना जीएसआर 817(ई) और कोविड महामारी के दौरान आपातकालीन व्यवस्था के तहत लागू जीएसआर 220(ई) का अब गलत तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। महामारी समाप्त होने के बाद भी ई–फार्मेसी और क्विक कॉमर्स कंपनियां मनमाने ढंग से दवाओं की बिक्री कर रही है। व्यापारियों ने कहा कि ऑनलाइन कंपनियां भारी छूट और प्रिडेटरी प्राइसिंग अपनाकर छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रही हैं। यदि यही स्थिति रही तो आने वाले समय में छोटे दवा विक्रेताओं के सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। सरकार से की गई कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए, बिना वैध एवं सत्यापित ई–प्रिस्क्रिप्शन के दवा डिलीवरी प्रतिबंधित की जाए, जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220(ई) अधिसूचनाओं को निरस्त किया जाए, ऑनलाइन कंपनियों की अत्यधिक छूट और मनमानी मूल्य नीति पर नियंत्रण लगाया जाए। व्यापारियों ने यह भी कहा कि कोविड महामारी के कठिन दौर में जब लोग घरों से निकलने से डर रहे थे, तब दवा विक्रेताओं ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाईं। ऐसे में सरकार को स्थानीय दवा कारोबारियों और आम मरीजों के हितों की रक्षा के लिए जल्द ठोस निर्णय लेना चाहिए। इस मौके पर संगठन के चेयरमैन किशन मेहरोत्रा, अध्यक्ष सुमित रस्तोगी, महामंत्री राजेश सोनी, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ला, राजीव गुप्ता, अनिल साहू, अजीत कुमार, गगन अग्रवाल, सैय्यद मोनू, ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव, राहुल, मनीष श्रीवास्तव, वीरेन्द्र गुप्ता, हरीश रायजादा, प्रदीप रायजादा, आरिफ अहमद, करण रस्तोगी, राम प्रताप, रवि सोनी, योगेंद्र, प्रभाकर समेत बड़ी संख्या में दवा विक्रेता मौजूद रहे।

# भारत–इटली संबंधों में नया अध्याय, ळमवतहपं डमसवदप से मुलाकात के बाद स्वदेश लौटे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की अपनी यात्रा संपन्न करके बुधवार रात रोम से भारत के लिए रवाना हो गए। मोदी ने यात्रा के अंतिम पड़ाव में इटली में अपनी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया मेलोनी के साथ वार्ता की, जिसमें दोनों देश आपसी संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने पर सहमत हुए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "इटली की बेहद सफल यात्रा समाप्त कर रहा हूं। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान भारत–इटली संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर ले जाने का निर्णय लिया गया, जिससे आने वाले वर्षों में हमारे सहयोग को नयी गति मिलेगी।" उन्होंने लिखा, "मैं प्रधानमंत्री मेलोनी, इतालवी सरकार और इटली के लोगों को उनकी मित्रता व गर्मजोशी के लिए धन्यवाद देता हूं।" विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "भारत–इटली संबंध और मजबूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की यात्रा का अंतिम चरण संपन्न हुआ। इटली की सफल यात्रा के बाद प्रधानमंत्री भारत के लिए रवाना हो गए हैं। इस यात्रा में महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए और इटली के साथ विशेष रणनीतिक साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में नयी गति मिली।

# दंग रह गए एलन मस्क, जानिए कैसे चीन की रोबोट सेना ने बनाया चोंगकिंग स्टेशन

पिछले हफ्ते, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाई–प्रोफाइल अरबपतियों के दल के हिस्से के तौर पर चीन की यात्रा के दौरान, टेक दिग्गज एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो रीपोस्ट किया। यह वीडियो श्चोंगकिंग ईस्ट रेलवे स्टेशनश के निर्माण की हैरतअंगेज यात्रा का था। सार्वजनिक परिवहन को लेकर हमेशा शंका जाहिर करने वाले मस्क का यह पोस्ट दुनिया भर में कौतूहल का विषय बन गया। कौतूहल से इतर, चोंगकिंग ईस्ट रेलवे स्टेशन की असली कहानी बेहद दिलचस्प है। यह कहानी बताती है कि कैसे चीन ने रोबोट की एक पूरी सेना का इस्तेमाल करके सिर्फ 38 महीनों में दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन का निर्माण कर दिया। फ्लोर एरिया के हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा मल्टी–मॉडल ट्रांजिट कॉम्प्लेक्स है, जिसे मई 2025 में आम जनता के लिए खोल दिया गया था। दक्षिण–पश्चिमी चीन के अंदरूनी हिस्से में स्थित चोंगकिंग, जहाँ यह स्टेशन बना है, आबादी और प्रशासनिक क्षेत्र, दोनों ही मामलों में देश का सबसे बड़ा शहर है। आज एक प्रमुख आर्थिक शक्ति बन चुका चोंगकिंग, 1960 के दशक में माओ जेडोंग के श्थर्ड फ्रंट कैंपेनश के तहत पूरी तरह से बदल गया था। यह एक बहुत बड़ा प्रयास था, जिसके तहत देश के विशाल संसाधनों को चीन के उन अंदरूनी इलाकों के तेजी से औद्योगीकरण की ओर मोड़ दिया गया, जिनकी पहले ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप, उद्योग प्रशांत तट से पश्चिम की ओर फैल गए। आज, चोंगकिंग और उसका नया स्टेशन, चीन की जबरदस्त इंजीनियरिंग क्षमता और उसकी विशाल आर्थिक ताकत का एक शानदार नमूना हैं। यह वही चीनी शहर है, जहाँ आपको अपार्टमेंट की इमारतों के बीच से गुजरती हुई मेट्रो ट्रेनें दिखाई देंगी। जहाँ कई देश बड़े पैमाने की परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दशकों तक संघर्ष करते रहते हैं, वहीं चीन ने इस विशाल 1.22 मिलियन वर्ग मीटर के स्टेशन को सिर्फ 38 महीनों में ही बनाकर तैयार कर दिया। यहाँ बताया गया है कि कैसे रोबोट की एक सेना ने मिलकर इस स्टेशन का निर्माण किया।

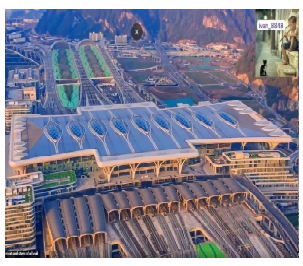

# पाकिस्तान में रोटी पर महासंकट! रावलपिंडी–इस्लामाबाद में 40 प्रतिशत मिलें बंद, बेरोजगारी का खतरा

पाकिस्तान के रावलपिंडी–इस्लामाबाद क्षेत्र में आटा मिल उद्योग गंभीर संकट से जूझ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ते वित्तीय घाटे और उद्योग जगत के नेताओं द्वारा सरकार की दोषपूर्ण नीतियों के कारण लगभग 40 प्रतिशत आटा मिलें बंद हो चुकी हैं। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, आटा मिल मालिकों ने चेतावनी दी है कि यदि पंजाब सरकार गेहूं और आटे के वितरण तंत्र में तत्काल सुधार नहीं करती है, तो और भी मिलें जल्द ही बंद हो सकती हैं। डॉन के अनुसार, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को संबोधित एक बेहद आलोचनात्मक अपील में, पंजाब के पाकिस्तान फ्लोर मिल्स एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष, चौधरी अफजल महमूद एडवोकेट ने अधिकारियों पर असंगत नियमों और प्रशासनिक हस्तक्षेप के माध्यम से इस क्षेत्र को पतन की ओर धकेलने का आरोप लगाया। यह बयान व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से आटा मिल मालिकों के बीच व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। अपील में दावा किया गया कि रावलपिंडी और इस्लामाबाद के मिल मालिक दक्षिणी पंजाब की तुलना में गंभीर नुकसान झेल रहे हैं, जहां गेहूं उत्पादक जिलों को कथित तौर पर तरजीही व्यवहार मिलता है।

दोनों शहरों के मिल मालिकों को निजी आपूर्तिकर्ताओं से गेहूं काफी अधिक परिवहन लागत पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे प्रति मन लगभग 200 से 250 रुपये का अतिरिक्त खर्च हो रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि आधिकारिक मूल्य निर्धारण नीतियों के कारण मिलों का अस्तित्व असंभव हो गया है। उन्होंने दावा किया कि जहां गेहूं की लागत लगभग 4,100 रुपये प्रति मन तक पहुंच गई है, वहीं अधिकारी आटे को लगभग 4,000 रुपये प्रति मन पर बेचने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिससे बिजली शुल्क, वेतन और अन्य खर्चों को घटाने के बाद भारी परिचालन घाटा हो रहा है। मिल मालिकों ने खाद्य विभाग पर मनमाने नियंत्रण लागू करने और प्रतिदिन असंगत नीतिगत निर्देश जारी करने का आरोप लगाया।

अपील में यह भी बताया गया कि मिलों को जारी किए गए गेहूं के परमिट टिकाऊ संचालन के लिए अपर्याप्त थे, कुछ मिलों को हर चार दिन में केवल 40 टन गेहूं मिल रहा था। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, कई मिल मालिकों ने कहा कि उद्योग में निवेश किए गए अरबों रुपये पहले ही बर्बाद हो चुके हैं, जिसके कारण मिलें बंद हो रही हैं और इस क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी फैल रही है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, मिल मालिकों ने पंजाब सरकार से आटे की एक समान मूल्य निर्धारण प्रणाली लागू करने, पूरे पंजाब में गेहूं का समान वितरण सुनिश्चित करने और संघर्षरत उद्योग को स्थिर करने के लिए प्रशासनिक नियंत्रणों को बाजार–आधारित प्रणाली से बदलने का आग्रह किया।

# गर्मी में रेडक्रास बना सहारा, ठेला व सब्जी विक्रेताओं को बांटे छाते

फतेहपुर। आसमान से बरसती आग व लगातार बढ़ रही हीटवेव के बीच इंडियन रेडक्रास सोसाइटी ने जरूरतमंदों के लिए राहत का हाथ बढ़ाया। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को आत्मसात करते हुए बुधवार को इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के तत्वावधान में कार्यकारी चेयरमैन एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने सड़क किनारे ठेला लगाकर एवं सब्जियां बेचकर परिवार का भरण–पोषण करने वाले लोगों को छाते वितरित किए।राधानगर से वर्मा चौराहे तक चले इस सेवा अभियान के दौरान तेज धूप में बैठे दर्जनों ठेला संचालकों, फल एवं सब्जी विक्रेताओं को गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से छाते प्रदान किए गए। अचानक मिले इस सहयोग से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी और उन्होंने रेडक्रास सोसाइटी के इस मानवीय प्रयास की सराहना की। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि भीषण गर्मी और हीटवेव का सबसे ज्यादा असर उन मेहनतकश लोगों पर पड़ता है जो पूरे दिन खुले आसमान के नीचे काम करने को मजबूर होते हैं। ऐसे में समाज के हर सक्षम व्यक्ति का दायित्व है कि वह जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आए। उन्होंने लोगों को अधिक पानी पीने, धूप में सिर ढककर निकलने और खाली पेट न रहने की सलाह देते हुए हीटवेव से बचाव के प्रति जागरूक भी किया। कार्यक्रम में प्रमुख सहयोगी एवं रेडक्रास के आजीवन सदस्य सुरेश कुमार श्रीवास्तव, अभिनव श्रीवास्तव एवं चौतन्य कुमार भी मौजूद रहे। अभियान के दौरान राहगीरों और स्थानीय लोगों ने रेडक्रास सोसाइटी के इस सामाजिक सरोकार की जमकर सराहना की।

# धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली पोस्ट पर करने पर दो गिरफ्तार

फतेहपुर। ललौली कस्बे में सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली पोस्ट साझा करना दो युवकों को भारी पड़ गया। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और महज कुछ घंटों के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने विवादित पोस्ट वायरल करने में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी कब्जे में ले लिए हैं। मामले को लेकर पुलिस प्रशासन ने साफ कहा है कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ और आपत्तिजनक सामग्री साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार थाना ललौली में एक व्यक्ति द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया कि 18 मई को मोबाइल फोन चलाने के दौरान उसने देखा कि कस्बा ललौली निवासी जैनुल आबदीन ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर बकरीद की कुर्बानी से संबंधित एक विवादित पोस्ट साझा की थी। शिकायतकर्ता ने उक्त पोस्ट को धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। तहरीर के आधार पर थाना ललौली में मु0अ0सं0 137ध्2026 धारा 299 बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत थाना ललौली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में मो. गुफरान खान पुत्र बदरुद्दीन एवं जैनुल आबदीन पुत्र स्व. लियाकत हुसैन निवासीगण कस्बा ललौली थाना ललौली शामिल हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस के अनुसार विवादित पोस्ट से संबंधित दो मोबाइल फोन कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि थाना ललौली पर एक प्रकरण संज्ञान में आया था, जिसमें बकरीद से संबंधित एक पोस्टर में विवादित कंटेंट पोस्ट किया गया था। इससे एक समुदाय विशेष की भावनाएं आहत हुई थीं। इस संबंध में तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। उन्होंने आमजन से सोशल मीडिया पर संयम और जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करने की अपील की है।

## बहराइच में आधी रात मुख्य विकास अधिकारी का बड़ा एक्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जनपद बहराइच में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत परखने के लिए मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार

धनवंता ने देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुख्य विकास अधिकारी पयागपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की इमरजेंसी सेवाएं, दवाओं की उपलब्धता, साफ–सफाई, ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का जायज़ा लिया गया। जांच में कई व्यवस्थाओं में कमियां मिलने पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए तत्काल सुधार के सख्त निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मरीजों की सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अस्पतालों में जवाबदेही तय की जाएगी। आधी रात अफसरों की इस अचानक दबिश से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। अब निगाहें इस बात पर हैं कि स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में जमीन पर कितना सुधार दिखाई देता है।

## भंभुवा में खाली प्लाट में मिली कई दिनों पुरानी लाश, शिनाख्त में जुटी पुलिस

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत गोंडा–लखनऊ हाईवे स्थित भंभुआ में बुधवार की शाम करीब 7 बजे एक सनसनीखेज मामला सामने आया है।यहां गोंडा– लखनऊ हाईवे के किनारे स्थित रिटायर्ड पुलिसकर्मी के मकान के बगल स्थित खाली प्लाट में एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव करीब सप्ताह भर पुराना बताया जा रहा है और पूरी तरह सड़ चुका है।कई दिनों से खुले में पड़ी लाश के कारण चेहरा पूरी तरह वि.त हो चुका है। इससे मृतक युवक की शिनाख्त पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है।सूचना मिलते ही कर्नलगंज पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।शव की शिनाख्त नहीं हुई है।जिससे शव की शिनाख्त के लिए अगले 72 घण्टे के लिए मार्चरी हाऊस गोण्डा में संरक्षित किया गया है।पुलिस अब जिले व आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाल रही है ताकि शव की पहचान हो सके। प्रथम .ष्टया मामला हत्या का लग रहा है, लेकिन पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।हाईवे पर रिटायर्ड पुलिसकर्मी के घर के बगल खाली प्लाट में लाश मिलने से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों से भी पूंछताछ की जा रही है।

# राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि, विचार गोष्ठी आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारत रत्न, आधुनिक भारत के निर्माता एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर द्वारा श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर के जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी के निर्देशन में संपन्न हुआ, जिसमें कांग्रेसजनों ने स्वर्गीय राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों एवं योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। उन्होंने देश को कंप्यूटर एवं संचार क्रांति से जोड़ते हुए विकास और आधुनिक तकनीक की दिशा में आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया। आज युवाओं को उनके विचारों एवं विकासवादी सोच से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। एआईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राज बहादुर यादव ने कहा कि राजीव गांधी जी ने गांव, गरीब, किसान और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनका सपना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचे और हर वर्ग मजबूत हो। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि राजीव गांधी जी दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने शिक्षा, तकनीक और संचार व्यवस्था को नई दिशा देकर भारत को नई पहचान दिलाई। उनका व्यक्तित्व आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

प्रत्याशी उमाशंकर तिवारी ने कहा कि राजीव गांधी जी ने लोकतंत्र को मजबूत करने और पंचायतों को अधिक अधिकार देने का कार्य किया। उनका जीवन देश सेवा, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। विनय मिश्रा ने कहा कि राजीव गांधी जी ने भारत को 21वीं सदी की ओर अग्रसर करने का सपना देखा था। उन्होंने आधुनिक सोच और तकनीकी विकास को बढ़ावा देकर देश को नई दिशा देने का कार्य किया। उक्त अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम बहादुर दुबे, केदारनाथ पाण्डेय, अवधेश पाल सिंह, डॉ. राकेश त्रिपाठी, अधिवक्ता संतोष कुमार पांडे, विश्वनाथ यादव, अमेरिका कुरील, विनोद मिश्रा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सियाराम प्रधान, रामजी यादव, पीयूष यादव, विशाल कश्यप, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश चौहान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## सीडीओ ने खंड विकास अधिकारियों के कार्य क्षेत्रो को लेकर किया फेरबदल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के प्रशासनिक ढांचे में बड़ा फेरबदल करते हुए 16 विकास खंडों में तैनात खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।प्राप्त सूचना के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद ने इस संबंध में आधिकारिक तबादला आदेश जारी कर दिया है।सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल नए कार्यक्षेत्र में कार्यभार ग्रहण कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। यह प्रशासनिक बदलाव जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की स्वी.ति के बाद अमल में लाया गया है।वर्तमान में जिले के 16 विकास खंडों के सापेक्ष केवल नौ नियमित बीडीओ और एक संयुक्त बीडीओ तैनात हैं। इस कमी को देखते हुए कई ब्लॉकों की कमान अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार के रूप में सौंपी गई थी। अब कुछ अधिकारियों को इन अतिरिक्त जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। कटराबाजार में बीडीओ का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे एसडीएम विनीत कुमार को इस जिम्मेदारी से मुक्त किया गया है।तबादला सूची के अनुसार, बीडीओ संजय कुमार श्रीवास्तव को नवाबगंज से पंडरी. पाल,गौरीशा श्रीवास्तव को मनकापुर से रुपईडीह, राम लगन वर्मा को बभनजोत से नवाबगंज और ओम प्रकाश सिंह को पंडरी. पाल से बभनजोत भेजा गया है। अभय कुमार सिंह को रुपईडीह से छपिया स्थानांतरित किया गया है, साथ ही उन्हें मनकापुर ब्लॉक के कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। मानू लाल यादव को छपिया से तरबगंज, रवि गुप्ता को तरबगंज से बेलसर और वीरेंद्र कुमार मिश्र (संयुक्त खंड विकास अधिकारी) को झंझरी से मनकापुर भेजा गया है।सत्य प्रकाश पांडेय को मुजेहना से हटाकर परसपुर की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों की कमी को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण पदों पर अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे गए हैं। बीडीओ विजय कुमार मिश्र (इटियाथोक) को अपने वर्तमान कार्यभार के साथ मुजेहना का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। उपायुक्त स्वतः रोजगार जेएन राव को झंझरी ब्लॉक के बीडीओ का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बीडीओ देवनायक सिंह (हलधरमऊ) को कटराबाजार ब्लॉक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।सीडीओ दयानंद प्रसाद ने मीडिया को बताया कि इन तबादलों का मुख्य उद्देश्य जिले के विकास कार्यों में तेजी लाना और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुढ़ व पारदर्शी बनाना है।

## पांच हजार की रिश्वत लेते सीएमओ कार्यालय का बाबु गिरतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर में भ्रष्टाचार निवारण संगठन देवीपाटन

मंडल गोंडा की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ सहायक को ध्5000 रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरतार किया। गिरतार आरोपी की पहचान मोहनलाल जायसवाल के रूप में हुई है, जो सीएमओ कार्यालय बलरामपुर में वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात था। एंटी करप्शन टीम के अनुसार, चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल की जांच व प्रतिहस्ताक्षर कराने के बदले रिश्वत मांगी जा रही थी। कायतकर्ता शिवचरन लाल निवासी धुसाह, बलरामपुर ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से शिकायत की थी। सत्यापन के बाद निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित ट्रैप टीम ने गुरुवार दोपहर करीब 12:40 बजे सीएमओ कार्यालय के मुख्य गेट के सामने आरोपी को रिश्वत लेते पकड़ लिया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य, ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग व संबंधित दस्तावेज भी कब्जे में लिए हैं। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। कार्रवाई के बाद ब्डट कार्यालय में हड़कंप मच गया।

## नौतपा से बचाव के लिए छात्राओं ने दिया जागरूकता संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। डॉ. सर्वेश कुमार शुक्ला आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्राओं रिचा सिंह, दिव्यांशी वर्मा और समृद्धि साहू ने नौतपा और भीषण गर्मी से बचाव को लेकर जागरूकता संदेश दिया। छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से लोगों को गर्मी में सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि 25 मई से 2 जून तक रहने वाले नौतपा के दौरान दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक तेज धूप में निकलने से बचना चाहिए। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और तला–भुना भोजन कम खाने की सलाह दी। छात्राओं ने बिना सिर ढके बाहर न निकलने तथा बच्चों को बंद वाहन में अकेला न छोड़ने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।

**रिचा सिंह–** बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्रा रिचा सिंह ने लोगों से नौतपा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है। धूप में निकलते समय सिर ढककर निकलें तथा बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

**दिव्यांशी वर्मा–** बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्रा दिव्यांशी वर्मा ने कहा कि गर्मी में लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है। उन्होंने लोगों को ज्यादा पानी पीने, हल्का भोजन करने और हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी।

**समृद्धि साहू–** बीएएमएस प्रथम वर्ष की छात्रा समृद्धि साहू ने कहा कि नौतपा के दौरान लू और तेज गर्मी से बचाव के लिए खानपान और दिनचर्या में सावधानी जरूरी है। उन्होंने लोगों से पर्याप्त पानी पीने, ओआरएस व अन्य तरल पदार्थ लेने तथा अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न निकलने की अपील की। साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी।

## महाराजा सुहेलदेव विजय उत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। 23 और 24 मई को चित्तौरा झील तट पर आयोजित होने वाले महाराजा सुहेलदेव विजय उत्सव की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। कार्यक्रम को भव्य और सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करते हुए साफ–सफाई, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। चित्तौरा झील तट पर होने वाले इस दो दिवसीय विजय उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए सभी तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं।

## सांस के दाह–संस्कार में शामिल होने आये व्यक्ति को मगरमच्छ ने बनाया शिकार,24 घंटे बाद मिला मृतक का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के उमरीबेगमगंज क्षेत्र में सरयू नदी के पास ही सांस की चिंता सजाई जा रही थी कि पीछे से मगरमच्छ ने हमला बोलकर व्यक्ति को पानी में खींच ले गया।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि मगरमच्छ द्वारा युवक को खींच ले जाने की घटना का शुक्रवार को दर्दनाक अंत हो गया। करीब 24 घंटे की तलाश के बाद युवक का शव घटना स्थल से लगभग 8 किलोमीटर दूर अइली मांझा इलाके में बरामद हुआ। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक दीपक मूल रूप से गाजियाबाद का निवासी था। वह अपनी सास के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उमरीबेगमगंज क्षेत्र में आया हुआ था। बताया जा रहा है कि अंतिम संस्कार के बाद दीपक सनौली मोहम्मदपुर स्थित उदयभान पाही के निकट सरयू नदी में स्नान करने गया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्नान के दौरान अचानक एक मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और उसे पानी के भीतर खींच ले गया। घटना होते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया, लेकिन मगरमच्छ उसे नदी के भीतर ले गया। सूचना मिलते ही पुलिस, गोताखोरों और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कर दी गई। लगातार करीब 24 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद गोताखोरों ने दीपक का शव अइली मांझा क्षेत्र के पास नदी से बरामद किया। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घटना के बाद नदी किनारे रहने वाले लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी क्षेत्र में मगरमच्छों की बढ़ती गतिविधियों पर रोक लगाने तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

## भाजपा विधायक के रिश्तेदार की मौत पर बवाल, आधी रात थाने पहुंचीं सरोज सोनकर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। सरोज सोनकर के रिश्तेदार की संदिग्ध मौत को लेकर बहराइच के रूपईडीहा क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मृतक का शव फांसी के फंदे से लटकता मिलने के बाद पुलिस ने मामले को प्रथम .ष्टया हैंगिंग मानते हुए पोस्टमार्टम कराया, लेकिन परिजनों ने इसे हत्या कर शव लटकाने का मामला बताया है। मामले में विधायक सरोज सोनकर खुद आधी रात मौके पर पहुंचीं और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने रूपईडीहा पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके रिश्तेदार को इंसाफ नहीं मिल रहा है। परिजनों की ओर से ग्राम प्रधान समेत 5 नामजद और 7–8 अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एएसपी ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी भी पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर कार्रवाई का भरोसा दिया। बताया जा रहा है कि विधायक के मौके पर पहुंचने के बाद ही देर रात अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू हो सकी। पूरे घटनाक्रम को लेकर इलाके में चर्चाओं का दौर जारी है। यह पूरा मामला रूपईडीहा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है।

## बगैर विद्युत आपूर्ति के जारी बिलों का निरस्तीकरण संबंधी अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चोपन विकास खंड अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत क्षेत्र

के हड़हाखोली में बगैर विद्युत आपूर्ति के जारी बिलों व फर्जी कनेक्शनों का निरस्तीकरण किए जाने की मांग को लेकर समाजवादी छात्र सभा जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व छात्र संघ मंत्री दीपू शर्मा ने विद्युत वितरण खंड पिपरी अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में बगैर विद्युतीकरण किए ही कई ग्रामीणों के घरों में विद्युत मीटर लगा दिए गए थे ग्रामीण बल्ब की रोशनी का इंतजार करते रहे लेकिन आज तक न तो क्षेत्र में विद्युत पोल लगाए गए और न ही बिजली आपूर्ति शुरू हुई। इसके बावजूद उक्त विभाग द्वारा संबंधित ग्रामीणों के नाम पर लगातार बिजली बिल जारी किए जा रहे हैं जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि जिन उपभोक्ताओं को वास्तविक रूप से बिजली सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है, उनके फर्जी एवं निष्क्रिय कनेक्शनों को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए तथा जारी किए गए बिजली बिलों को समाप्त किया जाए। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की गई। उन्होंने बताया कि उक्त मामले को अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड पिपरी ने गंभीरता से लेकर आश्वासन दिया कि मामले की तत्काल जांच कराकर एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने वास्तविक रूप से बिजली का उपयोग नहीं किया है उनके जारी बिलों को माफ करते हुए संबंधित निष्क्रिय/फर्जी कनेक्शनों को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

## कथा के अंतिम दिन श्रद्धालु हुए भावुक, हवन–पूजन व पूर्णाहुति के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और भावुक माहौल के बीच सम्पन्न हुआ। अंतिम दिन प्रातः काल वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन–पूजन आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य यजमान सहित अन्य श्रद्धालुओं ने पूर्णाहुति देकर कथा के सफल आयोजन की कामना की। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा के सप्तम दिवस पर व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए वृन्दावन से पधारे बाल व्यास मानस जी महाराज ने भक्ति और वियोग के आध्यात्मिक महत्व का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि प्रेम के बाद वियोग और वियोग के बाद ही भगवान की वास्तविक प्राप्ति संभव होती है। जब साधक का अहंकार समाप्त हो जाता है, तब उसे हर कण में परमात्मा का दर्शन होने लगता है। उन्होंने संत कबीर की वाणी "जब मैं था हरि नहीं, अब हरि है मैं नाय" का उल्लेख करते हुए कहा कि जब मनुष्य के भीतर से कपट, छल, निंदा और अहंकार समाप्त हो जाते हैं, तभी ईश्वर की .पा का अनुभव संभव होता है। भगवान न ऊँच–नीच देखते हैं और न ही धन–दौलत, वे केवल सच्चे प्रेम और भक्त की करुण पुकार को स्वीकार करते हैं। कथा के दौरान उन्होंने भगवान और भक्त के दिव्य संबंध को समझाते हुए विदुर, शबरी, ध्रुव, प्रह्लाद और सुदामा जैसे प्रसंगों का उल्लेख किया तथा कहा कि भगवान अपने भक्तों पर सदैव .पा बरसाते हैं। कथा समापन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने व्यास जी का पूजन किया। विदाई के समय अनेक श्रद्धालु भावुक होकर नम आंखों से आशीर्वाद लेते दिखाई दिए। इस दौरान वातावरण इतना भक्तिमय हो गया कि मानो ब्रज की दिव्य होली का उत्सव साकार हो उठा हो। कार्यक्रम में काले कंबल वाले बाबा तथा महामंडलेश्वर किरण गिरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। समापन अवसर पर आयोजक समिति के अध्यक्ष निरंजन जायसवाल ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और आयोजन से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन, संदीप तिवारी, राजेश्वर श्रीवास्तव, ओमकार अग्रहरि, .ष्ण कुमार, भोला नाथ, रमाशंकर, बृजेश कुमार, राकेश गुप्ता राकेश कुमार बड़का सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## बावली में डूबने से 8 वर्षीय बालिका की मौत, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के घनखोर गांव में गुरुवार दोपहर में बावली में नहाने गयी 8 वर्षीय बालिका की मौत हो गयी। मृतका की पहचान घनखोर निवासी विनय कुमार की पुत्री शौर्या के रूप में हुई।मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे शौर्या गांव की एक लड़की और अपनी जुड़वां बहन श्रुति और भाई अंकित के साथ घर से दो सौ मीटर दूर स्थित बावली में नहाने गयी।इस दौरान वह गहरे पानी में चली गयी और डूबने लगी।उसे डूबता देख साथ गये बच्चों ने घटना की सूचना घर पर दी।मौके पर पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों ने बालिका को बाहर निकाला और निजी वाहन से सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० शिशिर श्रीवास्तव ने प्राथमिक जांच के बाद मृत लाया घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे लीलासी चौकी इंचार्ज मनोज कुमार सिंह ने पूछताछ के बाद आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज दिया।

## पड़री से रॉबर्ट्सगंज के लिए बस सेवा शुरू, ग्रामीणों में खुशी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के पड़री (बराईडाड़) से उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के अंतर्गत गुरुवार को बस सेवा का शुभारंभ किया गया। सुबह 6:15 बजे पड़री स्टैंड से रॉबर्ट्सगंज के लिए बस रवाना हुई। प्रधान प्रतिनिधि सुभाष चंद्र यादव ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया तथा परिवहन विभाग का आभार जताया। इस दौरान राजबली, सुभाष गुप्ता, श्याम बिहारी गुरुदेव, विजय लाल, सोनू यादव, संतोष दयाल, राजू प्रसाद, अवधेश, रमेश, रामचंद्र गुप्ता, मुकेश यादव, सुगवंती सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। बस सेवा शुरू होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि इस सेवा से रेणुकूट और रॉबर्ट्सगंज आने–जाने वाले मजदूरों, विद्यार्थियों और किसानों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही रोजगार और आवागमन के बेहतर अवसर भी उपलब्ध होंगे। बस कर्मचारियों के अनुसार बस प्रतिदिन सुबह 6:15 बजे पड़री स्टैंड से रवाना होकर सुबह 10:15 बजे रॉबर्ट्सगंज पहुंचेगी। वहीं वापसी में बस दोपहर 2:45 बजे रॉबर्ट्सगंज से पड़री के लिए चलेगी।

## समाधान समारोह का होगा आयोजन

श्रावस्ती ।न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर–घर तक पहुंचाने तथा पक्षकारों की आपसी सहमति से मामलों का हल निकालने के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ''समाधान समारोह'' 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए अनुप्रिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रावस्ती ने बताया कि इसकी शुरुआत 21 अप्रैल 2026 को हुई थी। जिसका समापन 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगा। विशेष लोक अदालत का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त को होगा। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों को शामिल किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत से पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्यध्जिलाध्तालुकाध्उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरणध्समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। इस समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) के आयोजन का उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति से निष्पादन करना है। इस समाधान समारोह में आपसी सहमति एवं वार्ता से समाधान तलाशने का प्रयास किया जायेगा। इन सुलह बैठकों का आयोजन राज्य/जिला/तालुका/उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। जिसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ अथवा सचिव विधिक सेवा प्राधिकरणध्समिति पक्षकारों की मदद करेंगे।

## सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए मोबाइल फोन बरामद करने में उत्तर प्रदेश में जनपद का दूसरा स्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साइबर अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा संचालित एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से लगभग 01 करोड़ 02 लाख रुपये पीड़ितों के खातों में कराए वापस–पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा आमजन के खोए/गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी एवं साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए मोबाइल फोन बरामद करने में जनपद सोनभद्र पुलिस ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। वर्ष 2026 में अब तक जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा कुल 638 खोए हुए मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 01 करोड़ 25 लाख रुपये है, बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस कराया गया है। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों द्वारा सोनभद्र पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया गया। इसी क्रम में साइबर थाना/साइबर सेल सोनभद्र द्वारा ऑनलाइन फ्रॉड, साइबर ठगी एवं डिजिटल माध्यम से होने वाले अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए अब तक केंद्र सरकार द्वारा संचालित छब्ल्च पोर्टल के माध्यम से लगभग 01 करोड़ 02 लाख रुपये की धनराशि साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों के खातों में वापस कराई गई है। साइबर हेल्पलाइन 1930, एनसीआरपी पोर्टल एवं साइबर थाना/साइबर सेल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर पीड़ितों को राहत प्रदान की जा रही है। सोनभद्र पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक अथवा ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्क रहें तथा किसी भी साइबर घटना की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा नजदीकी साइबर थाना/साइबर सेल को दें। साथ ही अपने खोए हुए मोबाइल फोन को तत्काल सीईआईआर पोर्टल पर रजिस्टर करें, जिससे मोबाइल की बरामदगी हेतु त्वरित कार्यवाही की जा सके।

## फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। डाला चौकी क्षेत्र के धौठा टोला में गुरुवार को नगर पंचायत में कार्यरत एक सफाई कर्मी का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। 45 वर्षीय इंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय प्रहलाद कुमार निवासी घौठा टोला डाला नगर पंचायत में सफाई कर्मी के पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार गुरुवार की सुबह मृतक का चचेरा भाई प्रवीण उसे जगाने के लिए घर पहुंचा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बावजूद जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने खिड़की से झांककर देखा। अंदर का .श्य देखकर उसके होश उड़ गए। इंद्र कुमार रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारा गया और तत्काल निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

## जन उद्योग व्यापार मंडल ने संगठन विस्तार पर की चर्चा

फतेहपुर। जन उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश की आवश्यक बैठक बुधवार को राधानगर स्थित जिला संपर्क कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार के साथ जनपद सहित प्रदेश के विभिन्न कस्बों व नगरों में नई कमेटियों के गठन पर चर्चा की गई। साथ ही युवा एवं महिला इकाइयों को मजबूत बनाने के लिए रणनीति तय की गई। बैठक में महिला मण्डल के गठन को शीघ्र पूरा कराने की जिम्मेदारी संगठन की नेत्री ममता श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से सौंपी गई। वहीं युवा जिला एवं नगर इकाइयों के गठन की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता अखिलेश सिंह चौहान को दी गई। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान ने कहा कि संगठन प्रदेश के 37 जनपदों में अपनी इकाइयों का गठन कर व्यापारी हित और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही पूरे उत्तर प्रदेश में संगठन का विस्तार पूरा कर लिया जाएगा। बैठक का संचालन कर रहे जिला उपाध्यक्ष नईम अहमद ने कहा कि युवा और महिला इकाइयों के गठन के बाद विभिन्न ट्रेड इकाइयों का भी गठन कर व्यापारी एकता को मजबूत किया जाएगा। इस दौरान मयंक गुप्ता, विकास साहू, विवेक विश्वकर्मा, अनिल अग्निहोत्री, महेंद्र सिंह, स्मिता कुमारी, अर्चना विश्वकर्मा, आराधना पांडेय, पूनम देवी, पूजा सविता, रजोली देवी, सीता सिंह, निर्मला लोधी व उषा लोधी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## रॉन्ग साइड ड्राइविंग रोकने को जागरूकता अभियान, सेल्फी स्टेशन बनाकर लोगों को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत चुर्क मोड़ सपा तिराहा पर यातायात जागरूकता "सेल्फी स्टेशन/फोटो बूथ" स्थापित कर आमजन को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ’″तवदह ॆपकम क्तपअपदह बैंउचपवद″, "गलत साइड = हादसे की फास्ट ट्रैक टिकट", "भइया, सड़क शॉर्टकट नहीं होती", "गलत दिशा में गाड़ी, सही दिशा में शर्मिंदगी", "मेरी जल्दी किसी की जिंदगी से बड़ी नहीं" तथा "जिंदगी फिल्म नहीं है,’ रीटेक नहीं मिलेगा" जैसे जागरूकता संदेशों के माध्यम से वाहन चालकों एवं राहगीरों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में आमजन द्वारा सेल्फी लेकर सड़क सुरक्षा का संदेश प्रसारित किया गया तथा रॉग साइड ड्राइविंग से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा वाहन चालकों को सही दिशा में वाहन चलाने, हेलमेट लगाने एवं यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को फूल एवं पानी देकर सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान 'पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा भी आमजन को यातायात




नियमों के पालन, हेलमेट लगाने तथा रॉग साइड ड्राइविंग न करने के संबंध में जागरूक किया गया।’ कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 चारू द्विवेदी, यातायात निरीक्षक नरेन्द्र कुमार सिंह सहित यातायात पुलिस के कर्मचारीगण मौजूद रहे। सोनभद्र पुलिस द्वारा बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं लोगों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आगे भी जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

## रजखड़ में बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से दो घायल, सीएचसी में भर्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के रजखड़ गांव के नेशनल हाईवे–39 पर गुरुवार सुबह करीब 9 बजे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई ,जिससे बाइक पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में घायल हुए दोनों में भुनेश्वर केशरी (60)पुत्र हरिहर प्रसाद निवासी बड़गवा थाना चोपन और पन्ना लाल केशरी (65) पुत्र स्व. रामदेव निवासी जोरवा थाना जुगैल चोपन शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार दोनों लोग किराना संबंधित सामान लेने दुद्धी बाजार आ रहे थे ,की रजखड़ गांव में स्पीड ब्रेकर के पास बाइक की संतुलन बिगड़ गई और दोनों अचानक गिर गए। घटना में दोनों के सिर और शरीर के विभिन्न हिस्सों पर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एम्बुलेंस 102 भेजी गई। ईएमटी कुसुम यादव और चालक विजय राजभर ने दोनों घायलों को सीएचसी दुद्धी पहुंचाया, जहां चिकित्सक डॉ. मनोहर सिंह के देखरेख में उनका उपचार जारी है। डॉ. सिंह ने बताया कि घायलों को सिर पर गंभीर चोटें हैं और उनकी स्थिति के अनुसार आगे का इलाज किया जाएगा। घटना की सूचना एम्बुलेंस कर्मचारियों ने परिजनों को दी। घटना की सूचना पर सीएचसी में परिजनों की भीड़ जुटी रही ।

## अनियंत्रित बाइकें टकराई, चालक घायल

फतेहपुर। हुसैनगंज कोतवाली क्षेत्र के चौफेरवा मोड़ पर तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर बाइक से टकरा गया। जिससे बाइक सवार रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसको इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार थरियांव थाना क्षेत्र के जयसिंहपुर गांव निवासी सुरेश का 30 वर्षीय पुत्र महेंद्र बाइक पर सवार होकर घर से रिश्तेदार के घर जा रहा था। जब उसकी साइकिल हुसैनगंज कोतवाली क्षेत्र के चौफेरवा गांव की मोड पर पहुंची तभी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर बाइक से टकरा गई। जिससे बाइक सवार महेंद्र रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। फोन कर घटना की सूचना सरकारी 108 एंबुलेंस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेन्स के ईएमटी शिवशरण व पायलट गुलाब ने घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर बताते हुए 108 सरकारी एंबुलेंस से कानपुर रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों द्वारा युवक को भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है।

## साल से खराब पड़ा ट्रान्सफार्मर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत पड़री के चपरा टोले रविन्द्र प्रसाद के घर के पास का ट्रान्सफार्मर साल भर से खराब पड़ा है तमाम शिकायतों के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाने से खफा ग्रामीणों गुरुवार अधिशासी और अवर अभियंता के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा नारेबाजी कर अनदेखी का आरोप लगाया।ग्रामीणों ने कहा कि टोल फ्री नंबर 1912 पर कई बार शिकायत भी की जिसका शिकायत संख्या**PU**16052604020 पर दर्ज भी की गई तथा ट्विटर पर भी सूचित किया जा चुका है जिसका शिकायत किया गया लेकिन ट्रांसफार्मर ठीक नहीं हो पाया है ट्रान्सफार्मर खराब होने लगभग डेढ़ सौ लोग अंधेरे में रात गुजारने को मजबूर है जिससे जहरीले जानवरों से डर बना रहता है बच्चों की पढ़ाई लिखाई , मोबाईल चार्ज तथा पेयजल इत्यादि की समस्याऐं हो रही है ग्रामीण अमरावती, अंगीता, रमीना, ऊष्मा, देवान यादव, रविन्द्र,उदित ,आशीष यदुवंशी, बनारसी,नीरज,विकाश रामकिशुन, इत्यादि ने प्रदर्शन कर सम्बंधित अधिकारियों का ध्यान आ.ष्ट कर इसे तत्काल बनाने की मांग की है मामले को लेकर विभाग के अवर अभियंता विनय विंद ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं है।

## किसान चिंतन शिविर में हरिद्वार पहुंचने की बनाई रूपरेखा

फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की मासिक बैठक में हरिद्वार में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय किसान चिंतन शिविर में पहुंचने की जहां रूपरेखा बनाई गई वहीं बिजली रोस्टिंग का मुद्दा भी उठाया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम ने की। उन्होने बताया कि आगामी नौ, दस व ग्यारह जून को तीन दिवसीय किसान चिंतन शिविर हरिद्वार पहुंचने की रूपरेखा तय की गई है। रात्रि में बिजली रोस्टिंग का मुद्दा प्रमुखता से रखा गया और नहरों में अंतिम छोर तक पूरा पानी पहुंचाने की चर्चा की गई। संगठन की ब्लाक स्तरीय समीक्षा बैठक की रूपरेखा तय की गई। बैठक में प्रीतम सिंह, छोटे सिंह, डा0 लल्लन, अंकित सिंह चौहान, महेन्द्र सिंह भदौरिया, दीपक गुप्ता, बब्लू सिंह, अजय प्रजापति, उमेश परमार, रमन तिवारी आदि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

# जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर प्रशंसकों को तोहफा, ड्रैगन से सामने आई पहली खूंखार झलक

जूनियर एनटीआर स्टारर और प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म ड्रैगन की पहली झलक 19 मई की रात को जूनियर एनटीआर के 43वें जन्मदिन के मौके पर शेयर की गई. 20 मई को जूनियर एनटीआर 43 साल के हो गए. एक्शन से भरपूर इस टीजर ने फिल्म के टाटइल ड्रैगन की भी पुष्टि कर दी, जिसे महीनों से एनटीआरनील के नाम से जाना जा रहा था. यह टीजर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर छा गया, जहां फैंस ने जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की जोड़ी की जमकर तारीफ की.

फिल्म की झलक साझा होते ही फैंस ने जूनियर एनटीआर के दमदार फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन, पर्दे पर उनकी अदायगी और डायलॉग की जमकर तारीफ हो रही है. कई लोगों ने जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की जोड़ी को अद्भुत बताया और फिल्म के दृश्यों और तकनीकी इंटेलिजेंस की तारीफ की.

एक फैन ने लिखा, यह सचमुच अविश्वसनीय है, फिल्माए गए हिस्से तो कमाल के हैं. एनटीआर फिर से ग्रे शेडेड किरदार निभा रहे हैं. सिनेमैटोग्राफी और संगीत जबरदस्त हैं.

एक अन्य ने लिखा था, भारतीय सिनेमा के मास गॉड प्तएनटीआर, क्या गजब का ट्रांसफॉर्मेशन है, डायलॉग में गजब का बदलाव, पर्दे पर क्या गजब की उपस्थिति. मेरी बात याद रखना, प्तड्रैगन इतिहास रचने वाला है, यह प्तनील की अबतक की सबसे बेस्ट फिल्म होने वाली है.

हालांकि, कुछ प्रतिक्रियाएं अलग–अलग थीं. एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, एनटीआर बहुत नकली लग रहा है, प्रभास जैसे किसी को यह करना चाहिए था प्तड्रैगन प्तप्रभास.

एक अन्य फैन ने टीजर के तकनीकी प्वाइंट की तारीफ करते हुए लिखा, प्तड्रैगन की झलक शानदार थी. तकनीकी रूप से यह अब तक की सबसे बेहतरीन चीजों में से एक है. रात के सीन में लाइटिंग और कलर ग्रेडिंग लाजवाब है. नील ने एक अद्भुत दुनिया का निर्माण किया है. मेरे पसंदीदा एनटीआर लूगर के रूप में शानदार दिख रहे हैं. एनटीआर के दूसरे पहलू का इंतजार है.

एक अन्य यूजर ने भी अभिनेता के कन्नड़ संवाद बोलने के तरीके की सराहना करते हुए लिखा, एनटीआर की कन्नड़ भाषा में फ्लूऐंसी है. ऐसा लगा मानो कोई देसी हीरो ही ये संवाद बोल रहा हो. टीजर में जूनियर एनटीआर को अफगान ट्रेडिंग कंपनी के मुख्य हत्यारे लूगर के रूप में पेश किया गया है, जो एक जटिल और नैतिक रूप से संदिग्ध चरित्र का संकेत दे रहा है. अनिल कपूर रघुवीर राठौड़ के रूप में नजर आते हैं, जो भारत के नारकोटिक्स ब्यूरो के प्रमुख हैं, और शक्तिशाली ताकतों के बीच एक तेज–तर्रार टकराव की स्थिति पैदा करते दिखते हैं.

इस झलक से अफगान ट्रेडिंग कंपनी और गोल्डन ट्रेडिंग कंपनी के बीच चल रहे एक बड़े संघर्ष का भी संकेत मिलता है, जो कंपीटिटर, हिंसा और बदलती सोच से भरी दुनिया की झलक दिखाता है. कहानी अफीम युद्ध पर बेस्ड है. ड्रैगन जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील के बीच पहला कोलेब्रेशन है, जो केजीएफ फिल्मों के निर्देशन के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं. इस पैन इंडिया फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स ने किया है. फिल्म में जूनियर एनटीआर और अनिल कपूर के अलावा बीजू मेनन, रुक्मिणी वसंत, खुशबू सुंदर और गुरु सोमसुंदरम भी अहम रोल में हैं. यह फिल्म 11 जून, 2027 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

# मौनी रॉय ने बैकलेस आउटफिट में लूटी महफिल, 300 घंटे में तैयार हुई ये खूबसूरत ड्रेस

79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में एक्ट्रेस मौनी रॉय लगातार अपने स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज से सुर्खियां बटोर रही हैं. अब एक्ट्रेस का दूसरा लुक सामने आ चुका है, जिसमें वो पहले से भी ज्यादा एलिगेंट और स्टनिंग नजर आ रही हैं. इस बार मौनी रॉय ने ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत बैकलेस गाउन पहना. इस ड्रेस

को बनाने में करीब 300 घंटे लगे हैं. उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. टीवी की फेमस एक्ट्रेस मौनी रॉय 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर ब्लू कलर का बेहद खूबसूरत बैकलेस गाउन पहनकर उतरीं, जिसकी फिटेड सिल्हूट उनके लुक को बेहद ग्रेसफुल बना रही है. इस आउटफिट के साथ जुड़ा लंबा फ्लोई ट्रेल उनके लुक को रॉयल और स्टाइलिश टच दे रहा है. मौनी ने बताया कि उनकी इस ड्रेस को बनाने में करीब 300 घंटे लगे हैं. मौनी ने अपने बालों को सॉफ्ट वेवी लुक में ओपन रखा है. साइड से पार्टिंग के साथ उनके ब्राउन टोन बाल चेहरे पर काफी नैचुरल और फ्रेश लग रहे हैं. मौनी ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया है. ड्यूई बेस, सॉफ्ट पिंक ब्लश और न्यूड–पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया. इस लुक में मौनी का एलीगेंट और ग्लैमरस अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. मौनी की इस ड्रेस को पूजा शाह ने डिजाइन किया है. एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर और टीजर कान्स में लॉन्च हो चुका है, जिसकी तस्वीरें वो जल्द शेयर करेंगी. मौनी का ये रॉयल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए. उनकी हर तस्वीर में कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ नजर आ रहा है. बता दें कि मौनी रॉय पिछले लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं. वो शादी के चार साल बाद अपने पति सूरज नांबियार से अलग हो गई हैं. हाल ही में दोनों ने अपना सेपरेशन कंफर्म किया है. वर्क फ्रंट की बात करें तो मौनी जल्द ही फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में नजर आएंगी. इसके अलावा एक्ट्रेस के पास विश्वंभरा और द वाइव्स जैसी फिल्में भी हैं.

# गुल्लक 5 का ऐलान हुआ, शो में अनंत वी. जोशी की एंट्री, अन्नू मिश्रा के किरदार में आएंगे नजर

द वायरल फीवर (टीवीएफ) ने अपनी लोकप्रिय वेब सीरीज गुल्लक के 5वें सीजन का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। निर्माताओं ने सीरीज का टीजर जारी किया है, जिसने फैंस को अभी से उत्साहित कर दिया है। टीजर में अन्नू भइया उर्फ अन्नू मिश्रा का किरदार सबसे ज्यादा ध्यान खींच रहा है, जिसे अनंत वी जोशी निभा रहे हैं। दरअसल, पिछले 4 सीजन से इस किरदार को वैभव राज गुप्ता निभाते हुए दिखाई दे रहे थे।

सोनी लिव ने गुल्लक सीजन 5 का टीजर जारी करते हुए लिखा, वही रंगत, वही आदतें, वही शरारतें.. अब पहचान तो हो गई इनकी! हमारे अन्नू मिश्रा फिर आ रहे हैं नए किस्से लेकर, अपने प्यारे मिश्रा परिवार के साथ। बता दें, अनंत को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बायोपिक अजय (2025) से लोकप्रियता मिली थी। वहीं जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी और हर्ष मयार अपने किरदार में वापसी करेंगे। गुल्लक 5 की रिलीज तारीख का आना बाकी है। जहां गुल्लक के पिछले चारों सीजनों को दर्शकों से भरपूर प्यार मिला, वहीं इसके पांचवें सीजन का इंतजार अपने चरम पर था. अब, यह इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है. मेकर्स ने अपने सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की है और कैप्शन में लिखा है –

ऐसा लग रहा है... मिश्रा निवास में कुछ बदल गया है... आपको भी समझ आ रहा है क्या?

श्गुल्लकच्च भारत के सबसे लंबे समय तक चलने वाले पसंदीदा ओटीटी शोज में से एक है. अपनी शानदार कहानी और बेहतरीन अभिनय के लिए यह शो दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय है. वहीं, नए सीजन में परिवार की पुरानी मिठास के साथ नई कहानियां और मोड़ देखने को मिलेंगे.

# राजा शिवाजी दुनियाभर में छाप रही ताबड़तोड़ नोट, अब बनने वाली है रितेश की 8वीं सबसे बड़ी फिल्म

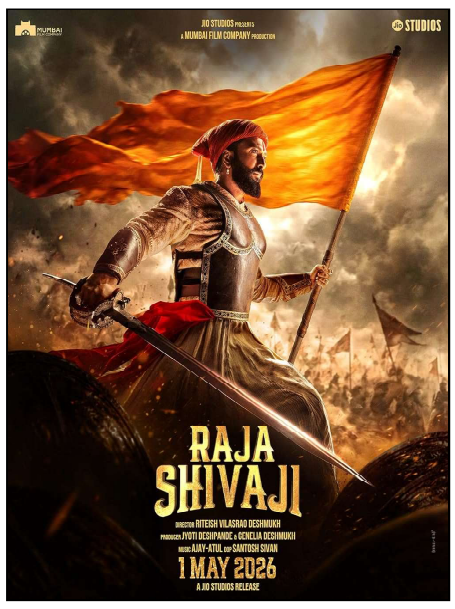


ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर कमाल परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म ने घरेलू बाजार में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में शानदार कारोबार किया है और ये अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्म बन गई है. वर्ल्डवाइड तो ये धड़ाधड़ रिकॉर्ड अपने नाम कर रही है. अब इसने रितेश देशमुख की हाउसफुल को मात देते हुए एक नई बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है.

हिंदी भाषी क्षेत्र में कई फिल्मों से मुकाबले के बावजूद, रितेश देशमुख स्टारर और निर्देशित ये फिल्म अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है.

रिपोर्ट के मुताबिक, राजा शिवाजी ने रिलीज के 19वें दिन सभी भाषाओं में मिलाकर 1.35 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. बता दें कि मंगलवार को इसकी कमाई में टिकटों पर छूट की वजह से मामूली उछाल देखने को मिला. रिपोर्ट के मुताबिक भारत में राजा शिवाजी के 19 दिनों का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 95.7 करोड़ रुपये (नेट) हो गया है. वहीं चौथे वीकेंड तक राजा शिवाजी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री कर जाएगी और ऐस कर मराठी सिनेमा की पहली 100 करोड़ी फिल्म का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लेगी. बता दें कि टैक्स सहित इसका कुल कलेक्शन 112.92 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. विदेशों में भी राजा शिवाजी का डंका बज रहा है. इसी के साथ इसने ओवरसीज में 4.90 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई कर ली है. वहीं भारत और ओवरसीज की कमाई को मिलाकर राजा शिवाजी का 19 दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 117.82 करोड़ रुपये हो चुका है. यह ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा अब हाउसफुल (2010) के वर्ल्डवाइड लाइफटाइम कलेक्शन को तोड़ने और रितेश देशमुख की अब तक की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने से सिर्फ 5.78 करोड़ रुपये दूर है.

# गर्मियों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 फेस मिस्ट, जानिए बनाने का तरीका

गर्मी के कारण त्वचा पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में त्वचा को ठंडक देने के लिए आप बाजार से फेस मिस्ट खरीद सकते हैं, लेकिन उनमें मौजूद अप्राकृतिक रंग और खुशबू त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फेस मिस्ट बनाने का तरीका बताते हैं, जिन्हें आप घर पर कुछ ही मिनटों में बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं और उनसे आपकी त्वचा को ठंडक और नमी मिलेगी।

खीरे का फेस मिस्टः खीरे का फेस मिस्ट बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर में खीरे को अच्छे से पीसें, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर फ्रिज में रख दें। जब भी आपको लगे कि गर्मी से आपकी त्वचा काफी बेजान हो गई है, तो उस पर खीरे के फेस मिस्ट का छिड़काव करें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ उसे ठंडक भी देगा। खीरे के इस फेस मिस्ट से आपकी त्वचा को ताजगी मिलेगी।

गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्टः गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्ट न केवल त्वचा को ताजगी देता है, बल्कि इसे नमी भी देता है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे गुलाब जल के साथ नींबू का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को ठंडक देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। गुलाब जल और नींबू का यह मिस्ट आपकी त्वचा को तरोताजा बनाए रखेगा।

एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्टः एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ–साथ उसे नमी भी देता है। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे एलोवेरा जेल के साथ खीरे का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। एलोवेरा और खीरे का यह मिस्ट आपकी त्वचा को नमी देगा।

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है क्योंकि इसमें मौजूद पुदीने की ताजगी और नारियल पानी की ठंडक आपकी त्वचा को तरोताजा रखती है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे पुदीने के पत्ते डालें, फिर उसमें नारियल पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ–साथ उसे नमी भी देगा।

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को निखारने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले गुड़हल फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालें, फिर इस मिश्रण को छानकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। अब इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। इन फेस मिस्ट के इस्तेमाल से आप गर्मियों में तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी त्वचा भी खिली–खिली रहेगी।